केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक
भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9336715406
8400925463

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :47 अंक 309 गुरूवार 4 जून 2026 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

नगदी समेत 3 ठग पकड़े गये

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती । कलवारी पुलिस, स्वाट और सर्विलांस टीम ने सस्ते दाम पर सोना बेचने का लालच देकर ठगी करने वाले एक अंतरजनपदीय गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने गिरोह के तीन सदस्यों को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से तीन लाख रुपये नकद और करीब 3.09 किलोग्राम नकली सोना बरामद किया गया है।
अपर पुलिस अधीक्षक श्याम कांत ने बताया कि थाना कलवारी और थाना पुरानी बस्ती में दर्ज ठगी के मामलों के खुलासे के लिए पुलिस टीमें गठित की गई थीं। जांच के दौरान बुधवार को अगौना बाजार के पास से तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। इनकी पहचान गौतमबुद्ध नगर निवासी शंकर सोलंकी, मीरा सोलंकी और धाबु देवी के रूप में हुई है। अपर पुलिस अधीक्षक ने बताया कि गिरफ्तारी और बरामदगी के आधार पर मुकदमे में अतिरिक्त धाराएं बढ़ाई गई हैं।

जौहर बस्तवी के निधन से शोक की लहर

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। सुप्रसिद्ध आलिम–ए– दीन, बेमिसाल खतीब और शायर–ए–इस्लाम मौलाना अब्दुल करीम मुजाहिरी जौहर बस्तवी, निवासी बनके गांव, का 85 वर्ष की आयु में इंतकाल हो गया। वे अपने मालिक–ए–हकीकी से जा मिले । लगभग एक सप्ताह से अस्वस्थ चल रहे थे। उनके निधन से पूरे शैक्षणिक जगत में शोक की लहर है।
मरहूम अत्यंत सादा मिजाज, निष्ठावान, अपने मामलों के पक्के, अमानतदार और ईमानदार व्यक्ति थे। मौलाना मजाहिरुल उलूम सहारनपुर से शिक्षा पूरी करने के बाद, उन्होंने अपने पैतृक गांव बनके में स्थित मदरसा इस्लामिया बैतुल उलूम में अध्यापन कार्य शुरू किया। उस समय मदरसा अपने शुरुआती दौर में था और वे मदरसे के पहले शिक्षक थे। उनके शागिर्द–ए–रशीद मौलाना अब्दुल समी मजाहिरी (शिक्षक, बैतुल उलूम, बनके गांव) ने बताया कि वे हमारे उस्ताद थे और हम उनके पहले शागिर्दों में से हैं। उन्होंने आगे कहा कि वे बहुत लगन और मेहनत से पढ़ाते थे। वे एक ओजस्वी वक्ता थे, जिसका प्रभाव पूरे क्षेत्र की जनता पर था। इन्हीं खूबियों के कारण मदरसा जल्द ही तरक्की की राह पर चल पड़ा।
उन्होंने 1966 से 1995 तक अध्यापन की सेवाएं दीं। इस दौरान उन्होंने 'जवाहिरात' नाम से नतिया कलाम (नत) की एक किताब भी प्रकाशित की। इसे देखकर मशहूर आलिम–ए–दीन और इदायी–ए–इस्लामश व 'गैर–मनकूत' के लेखक मौलाना सादिक बस्तवी ने कहा था' 'ये कहना पड़ा सुन के मंसूर से, कि था लाल गुदड़ी में गोया छुपा।'
इसके बाद वे बांसी चले गए, जहाँ उन्होंने कोतवाली रोड स्थित जामा मस्जिद के एक मकतब को 'दारुल उलूम रहीमिया, बांसी' का रूप दिया। उनकी देखरेख में मदरसा खूब फला–फूला और सैकड़ों हुफाज (कुरान याद करने वाले) तैयार हुए। उनके शिष्यों की एक लंबी सूची है, जो उनके जनाजे में भी दिखाई दी। मरहूम जनता और खास लोगों के बीच समान रूप से लोकप्रिय थे।

होटल में आग से विदेशी नागरिकों समेत 21 की मौत

नई दिल्ली (आभा)। दिल्ली के मालवीय नगर के फ्लरिश स्टे होटल में बुधवार को आग लगने से 21 लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में 11 विदेशी नागरिक और 10 भारतीय हैं। मारे गए विदेशियों में अफ्रीकी देशों और तुर्कमेनिस्तान के नागरिक शामिल हैं। दिल्ली फायर सर्विस और स्थानीय लोगों के मुताबिक, मालवीय नगर में मौजूद इस होटल के रेस्टोरेंट में सुबह 8.50 बजे आग

लगी। आग ऊपरी मंजिलों पर बने कमरों और बेसमेंट तक पहुंच गई। फायर टीम ने यहां से 37 लोगों को बाहर निकाला। बिल्डिंग की फायर एनओसी नहीं थी। होटल में 25 कमरे हैं। 40 लोगों का रेस्क्यू किया गया है। कई लोगों की हालत गंभीर है। आग लगने की वजह का अब तक पता नहीं चल पाया है। पिछले 6 महीनों में दिल्ली में आग की अलग–अलग घटनाओं में 66 लोगों की मौत हो चुकी है।

ममता की टीएमसी टूटी, 58 विधायकों ने अलग गुट बनाया

कोलकाता (आभा)। ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस का 28 साल के इतिहास में पहली बार औपचारिक तौर पर विभाजन हो गया। बुधवार को 58 बागी विधायकों ने पार्टी से निकाले गए विधायक ऋतव्रत बनर्जी को अपना नेता चुना। विधानसभा स्पीकर रथींद्र बोस को समर्थन पत्र सौंपा। इसमें मांग की गई कि ऋतव्रत को नेता विपक्ष घोषित किया जाए।

न्यूज एजेंसी के मुताबिक, स्पीकर ने मंजूरी दे दी है। उन्हें विधानसभा में नेता विपक्ष का रूम भी अलॉट कर दिया गया है।

डीएम ने किया तटबंधों का निरीक्षण

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। जनपद में बाढ़/कटान से सुरक्षा हेतु चलित परियोजनाओं एवं बाढ़ पूर्व तैयारी हेतु हर्रैया तहसील के अन्तर्गत घाघरा नदी के बायें तट पर निर्मित गौरा–सैफाबाद, चाँदपुर–गौरा, उमरिया रिंग बांध, कटरिया–चाँदपुर तटबन्ध का निरीक्षण बुधवार को जिलाधिकारी श्रीमती कृत्तिका ज्योत्स्ना द्वारा किया गया। निरीक्षण के दौरान अधिशासी अभियन्ता, बाढ़ कार्य खण्ड प्रथम, द्वारा अवगत कराया गया कि उमरिया रिंग बांध एवं उसकी परिधि में बसे 12 अदद ग्रामों की सुरक्षा हेतु 02 अदद स्पर का निर्माण कार्य कराया जा रहा है, जिसकी प्रगति लगभग 50 प्रतिशत है।

10 हजार रूपये घूस लेते पकड़ा गया कानूनगो

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती । एंटी करप्शन टीम ने एक कानूनगो को बुधवार को 10 हजार रुपए रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़ा। वह सदर तहसील में तैनात है। एंटी करप्शन टीम को कानूनगो अशरफी लाल के खिलाफ रिश्वत मांगने की शिकायत मिली थी। इसके बाद टीम ने मामले की सच्चाई पता की। आरोपों की पुष्टि होने पर अफसरों ने

योजनाबद्ध तरीके से ट्रैप कार्रवाई की। मामला आदर्श कोतवाली क्षेत्र का है। सैफाबाद में रहने वाले आसमान सिंह ने एंटी करप्शन टीम में शिकायत दर्ज कराई थी। उनका आरोप था कि कानूनगो अशर्फी लाल धारा–21 के तहत खेत की मेड़ पर पत्थर लगवाने के नाम पर 10 हजार रुपए मांग कर रहे थे। शिकायत मिलने के बाद एंटी करप्शन टीम ने पूरे मामले का सत्यापन किया। उसके बाद ट्रैप कार्रवाई की योजना तैयार की।

सेवा, समर्पण के रूप में मनाया जायेगा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का जन्म दिन- अखिलेश सिंह

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। विश्व हिन्दू महासंघ द्वारा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का जन्म दिन सेवा और समर्पण के रूप में मनाया जायेगा। जिलाध्यक्ष अखिलेश सिंह ने पत्रकारों से बातचीत में बताया कि इस अवसर पर तीन दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन हर्रैया तहसील क्षेत्र में स्थित तपसीधाम में किया गया है। 5 जून को विशाल रक्तदान शिविर एवं बाबा भोलेनाथ का दिव्य रुद्राभिषेक होगा। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में डीआईजी संजीव त्यागी को मुख्य अतिथि और विशिष्ट अतिथि के रूप में पुलिस अधीक्षक डा. यशवीर सिंह आमंत्रित किया गया है। बताया कि 6 जून को अखण्ड रामायण का पाठ शुरू होगा और 7 जून को विशाल हिन्दू सम्मेलन और सहभोज आयोजित किया गया है। इसके मुख्य अतिथि प्रकाश सिंह प्रमुख सचिव और विशिष्ट अतिथि के रूप में डा. मंगलेश कुमार श्रीवास्तव महापौर गोरखपुर, राजमाता राजमहल बस्ती आशिमा सिंह हिस्सा लेंगी।

गोरखपुर में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से भेंट कर लौटे विश्व हिन्दू महासंघ जिलाध्यक्ष अखिलेश सिंह ने कहा कि उन्होने तीनू दिवसीय कार्यक्रमों के रूप की विस्तार से जानकारी दिया। कहा कि रक्तदान के द्वारा हम दूसरे की जान बचाने का माध्यम बनते हैं। पूरा प्रयास है कि लगभग 500 यूनिट रक्तदान कराया जाय। बताया कि तीन दिवसीय कार्यक्रम को सम्पन्न कराने के लिये पदाधिकारियों में दायित्वों का वितरण कर दिया गया है और तपसी धाम में महन्थ जय बक्श दास के मार्गदर्शन में जोरों से तैयारियां चल रही है। अखिलेश सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश में सर्व समाज के विकास के साथ ही हिन्दू अस्मिता को नयी पहचान दिया है। उनके जन्म दिन को सेवा और समर्पण के रूप में पूरी भव्यता और संकल्पों के साथ मनाया जायेगा।

–तीन दिवसीय कार्यक्रम में रक्तदान शिविर, हिन्दू सम्मेलन, सहभोज का आयोजन

महुआ डाबर' महोत्सव 8 से: राष्ट्र भक्तों के पसीने से तर होगी क्रांति की सरजमीं

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बहादुरपुर (बस्ती)। महुआ डाबर संग्रहालय द्वारा 8 जून से 10 जून 2026 तक 'महुआ डाबर महोत्सव–2026' का आयोजन बहादुरपुर विकास खंड स्थित ऐतिहासिक क्रांति स्थल महुआ डाबर में किया जाएगा। शौर्य, शहादत और विरासत की थीम पर आधारित यह तीन दिवसीय महोत्सव भारत के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के अमर सेनानियों को समर्पित होगा।
महोत्सव का आयोजन प्रतिवर्ष 10 जून 1857 को महुआ डाबर में क्रांतिवीर जफर अली एवं उनके साथियों द्वारा अंग्रेजी शासन के विरुद्ध किए गए वीरतापूर्ण संघर्ष की स्मृति में किया जाता है। ऐतिहासिक अभिलेखों के अनुसार क्रांतिकारियों ने अंग्रेजी सत्ता को चुनौती देते हुए कई ब्रिटिश अधिकारियों को परास्त किया था। इसके प्रतिशोध में ब्रिटिश शासन ने महुआ डाबर गांव को आग के हवाले कर दिया और राजस्व अभिलेखों में उसे 'गैर–चिरागी' घोषित कर दिया। इसी गौरवशाली इतिहास को जन–जन तक पहुंचाने तथा अमर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करने के उद्देश्य से महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है।
मनोरमा नदी के पावन तट पर आयोजित होने वाले इस महोत्सव का

उद्देश्य शहीदों के त्याग और बलिदान की गाथा को नई पीढ़ी तक पहुंचाना, युवाओं को अपने इतिहास से जोड़ना तथा स्थानीय संस्कृति और विरासत के संरक्षण के प्रति जागरूक करना है।
तीन दिवसीय आयोजन के दौरान क्रांतिवीरों को श्रद्धांजलि एवं पुष्पांजलि अर्पित की जाएगी। इसके साथ ही विरासत यात्रा (हैरिटेज वॉक), गारद सलामी एवं मशाल सलामी, महुआ डाबर के इतिहास पर परिचर्चा, स्वतंत्रता संग्राम पर आधारित फिल्म एवं डॉक्यूमेंट्री प्रदर्शन, विद्यालयी विद्यार्थियों की देशभक्ति प्रस्तुतियां, स्वतंत्रता संग्राम साहित्य सम्मेलन, इतिहासकारों, शोधार्थियों एवं लेखकों का संवाद, शहीदों की झांकियां, नाट्य मंचन, ओपन माइक के माध्यम से कविता, गीत, वक्तृत्व एवं लोककला प्रदर्शन आयोजित किए जाएंगे।
महोत्सव में स्वास्थ्य परीक्षण एवं निःशुल्क दवा वितरण शिविर, युवाओं के लिए कैरियर काउंसलिंग सत्र, सांस्कृतिक संध्या, लोक कलाकारों की प्रस्तुतियां, महुआ डाबर संग्रहालय भ्रमण, विरासत संरक्षण संकल्प यात्रा तथा उत्कृष्ट प्रतिभाओं एवं सहयोगियों का सम्मान भी किया जाएगा।
महुआ डाबर संग्रहालय के महानिदेशक एवं क्रांतिकारी वंशज डॉ. शाह आलम राना ने बताया कि आयोजन को ऐतिहासिक स्वरूप देने के लिए देशभर के इतिहासकारों, शोधार्थियों, साहित्यकारों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और राष्ट्रभक्त नागरिकों को आमंत्रित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह महोत्सव केवल एक सांस्कृतिक आयोजन नहीं, बल्कि स्वतंत्रता संग्राम के अनसुने अध्यायों को राष्ट्रीय विमर्श में स्थापित करने का प्रयास है।
उन्होंने बताया कि प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. राजीव निगम से 8 जून को स्वास्थ्य शिविर के लिए चिकित्सीय दल, आवश्यक औषधियां, जीवन रक्षक उपकरण तथा एंबुलेंस उपलब्ध कराने का अनुरोध किया गया है। वहीं जिलाधिकारी श्रीमती कृत्तिका ज्योत्सना एवं पुलिस अधीक्षक डॉ. यशवीर सिंह से 10 जून को प्रातः 8 बजे क्रांतिवीरों को सशस्त्र सलामी देने के लिए पुलिस गारद दल उपलब्ध कराने का निवेदन किया गया है।
डॉ. राना ने कहा कि महुआ डाबर की धरती राष्ट्रभक्तों के त्याग और बलिदान की साक्षी रही है। महोत्सव के माध्यम से एक बार फिर यह ऐतिहासिक भूमि राष्ट्रभक्ति, शौर्य और विरासत के भाव से ओत–प्रोत होकर देशवासियों को स्वतंत्रता सेनानियों के संघर्ष की याद दिलाएगी।

भाजपा कार्यालय पर हुई जन सुनवाई: प्राथमिकता से कराया जायेगा समस्याओं का समाधान- अभिषेक कुमार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। जन समस्याओं के प्रभावी निस्तारण हेतु भारतीय जनता पार्टी द्वारा जन सुनवाई कार्यक्रमों का चरणबद्ध आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में बुधवार को जिला महामंत्री अभिषेक कुमार, जिला उपाध्यक्ष अखंड प्रताप सिंह ने पार्टी कार्यालय पर आये मामलों या फोन पर आये समस्याओं को सुना और सम्बंधित अधिकारियों को उसके निस्तारण हेतु पहल किया।

जिला महामंत्री अभिषेक कुमार, जिला मंत्री नीलम गौड ने जन सुनवाई कार्यक्रम के बाद कहा कि पूर्व सांसद असम प्रभारी हरीश द्विवेदी, पार्टी जिलाध्यक्ष विवेकानन्द मिश्र के दिशा निर्देश के अनुरूप जनहित के समस्याओं के निस्तारण हेतु प्रतिबद्ध है। सदैव प्रयास रहता है कि लोगों को सरकार के कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचे और उन्हें असुविधा न होने पाये। इसके बावजूद यदि किसी की समस्या का समाधान न हो रहा है तो वे भाजपा पार्टी कार्यालय पर आकर अपनी बात बता सकते हैं। पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता समाधान के लिये हर स्तर पर पहल करेंगे। कहा कि इस जन सुनवाई से लोगों की सामान्य समस्या बिजली, पानी, सड़क आदि के मामले प्राथमिकता से सुलझ जायेंगे। बताया कि जन सुनवाई में जो मामले आये थे उसके निस्तारण की पहल कर दिया गया है।

कुंआनों नदी बस्ती की जीवन रेखा: इसे स्वच्छ रखना हम सबकी जिम्मेदारी–नेहा वर्मा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। बुधवार को नदियों को स्वच्छ और अविरल बनाये रखने की कड़ी में नगर पालिका अध्यक्ष नेहा वर्मा और वरिष्ठ भाजपा नेता अंकुर वर्मा द्वारा कुंआनो के अमहट घाट पर स्वच्छता अभियान चलाया गया। नेहा वर्मा ने कहा कि कुंआनो बस्ती की जीवन रेखा है। नदी प्रदूषण का शिकार है। नदियों को स्वच्छ रखना हम सबकी जिम्मेदारी है। इस दिशा में नगर पालिका का चरणबद्ध प्रयास जारी रहेगा।
कुंआनो नदी के स्वच्छता अभियान मे हिस्सा लेने के बाद अध्यक्ष नेहा वर्मा ने श्रमदान कर रहे कर्मियों का उत्साहवर्धन किया और निर्देश दिए कि सफाई कार्य में किसी भी प्रकार की ढिलाई न बरती जाए। उन्होंने कहा कि नदियाँ हमारी संस्कृति और जीवन का आधार हैं। इन्हें स्वच्छ रखना केवल प्रशासन की नहीं, बल्कि हर एक नागरिक की नैतिक जिम्मेदारी है।
भाजपा के वरिष्ठ नेता और नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि अंकुर वर्मा ने कहा कि नदियों के अस्तित्व को बचाने और उन्हें प्रदूषण मुक्त बनाने के संकल्प के साथ विशेष नदी सफाई अभियान युद्ध स्तर पर चलाया जा रहा है। कहा कि जन

–नगरपालिका ने अमहट घाट पर चलाया स्वच्छता अभियान –जन भागीदारी से स्वच्छ होंगी नदियां– अंकुर वर्मा

भागीदारी से नदियों को स्वच्छ करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाये जा रहे हैं। उन्होने स्वच्छता अभियान में हिस्सा लेते हुये लोगों से आग्रह किया कि जीवन दायिनी नदियों को स्वच्छ रखने की दिशा में अपनी ओर से भी पहल करें। कहा कि सरकार और प्रशासन नदियों को साफ रखने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं, लेकिन यह अभियान जनभागीदारी के बिना अधूरा है। उन्होंने नागरिकों से आग्रह किया कि नदियों में पॉलीथीन, प्लास्टिक या किसी भी प्रकार का कूड़ा–कचरा न फेंकें।
सफाई अभियान और निरीक्षण के दौरान पालिका के अवधेश यादव सफाई एवं खाद्य निरीक्षक अवधेश यादव, विक्रम चौहान, विवेक श्रीवास्तव, सूरज गुप्ता, अरुण पाण्डेय के साथ ही नगर पालिका के सभी सफाई नायक, बड़ी संख्या में सफाई कर्मचारी और स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर इस स्वच्छता अभियान में अपना पूर्ण सहयोग देने और आम जनता को जागरूक करने का सामूहिक संकल्प लिया।

शिक्षक संघ की बैठक में गूंजा टेट, पुरानी पेंशन बहाली का मुद्दा: संघर्ष पर जोर

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। बुधवार को प्रेस क्लब सभागार में उत्तर प्रदेश सीनियर बेसिक शिक्षक संघ की बैठक जिलाध्यक्ष ओंकार सिंह की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में वर्ष 2006 में अनुदानित विद्यालयों में कार्यरत, एवं सेवानिवृत्त शिक्षक, शिक्षणेत्तर कर्मचारियों की पुरानी पेंशन बहाल किये जाने, टेट की अनिवार्यता समाप्त कराये जाने के साथ ही स्थानीय शिक्षक समस्याओं के निराकरण कराये जाने पर विचार किया गया। इस अवसर पर सेवानिवृत्त शिक्षक लखपत सिंह, उदयभान सिंह, धर्मराज यादव, देवमणि वर्मा, चिन्तामणि उपाध्याय, शिवनवल चौधरी, गंगराम वर्मा, सीताराम को अंग वस्त्र भेंटकर सम्मानित किया गया।

मुख्य अतिथि के रूप में बैठक को सम्बोधित करते हुये संघ के प्रदेश संयुक्त मंत्री वागीश दत्त पाण्डेय ने कहा कि अनुदानित विद्यालयों के शिक्षक घोर उपेक्षा के शिकार है और उन्हें अपना अधिकार तक नहीं मिल पा रहा है। संघ की मांगों को सरकार लगातार अनसुनी कर रही है ऐसे में एकजुटता और संघर्ष से ही समसयाओं का हल निकलेगा।
बैठक में वीरेन्द्र कुमार मिश्र, लखपत सिंह, उदयभान सिंह, गोपीनाथ मिश्र, विजय सिंह, धर्मराज यादव, राजेन्द्र प्रसाद दूबे, धर्मराज चौधरी, चिन्तामणि आदि ने सम्बोधित करते हुये बिन्दुवार शिक्षक समस्याओं को रखा और जोर दिया कि अधिकार के लिये संघर्ष तेज करते हुये सरकार पर नीतिगत दबाव बनाया जाय। अध्यक्षता कर रहे जिलाध्यक्ष ओंकार सिंह ने कहा कि टेट प्रकरण पर सरकार की उदासीनता दुर्भाग्यपूर्ण है। शिक्षकों को अपने अधिकारों के लिये सजग रहना होगा। संचालन करते हुये विनोद कुमार मिश्र ने शिक्षकों की समस्याओं पर विस्तार से प्रकाश डाला।
उत्तर प्रदेश सीनियर बेसिक शिक्षक संघ की बैठक में मुख्य रूप से राम मूर्ति यादव, देवेन्द्र कुमार शुक्ल, मानसिंह, रामतीरथ यादव, भानु प्रताप शुक्ल, रामनरेश, राममूर्ति वर्मा, परशुराम निषाद, विजय बहादुर सिंह, वृजेश कुमार सिंह, डॉ. राजेन्द्र सिंह आदि उपस्थित रहे।

–सम्मानित किये गये सेवा निवृत्त शिक्षक

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 4 जून 2026 गुरूवार

सम्पादकीय

स्कूलों में त्रिभाषा की शिक्षा

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार, सीबीएसई, और एनसीईआरटी को नोटिस जारी करके यह निर्देश दिया है कि वे 1 जुलाई 2006 से सभी सीबीएसई स्कूलों में नौवीं के विद्यार्थियों के लिए तीन–भाषा फार्मूला लागू करने के अपने इंतजामात के बारे में विस्तृत रिपोर्ट दाखिल करें। बीते 27 मई को, सीबीएसई के इस कदम को चुनौती देने वाली याचिकाओं को सुनते हुए, शीर्ष अदालत ने तुरंत कोई स्थगनादेश देने से मना कर दिया, लेकिन यह माना कि "कठिनाई और असुविधा" को लेकर चिंताओं की समीक्षा की जरूरत है। सुप्रीम कोर्ट 15 और 16 जुलाई को दलीलें सुनेगा। जिस अगंभीर ढंग से सरकार अपनी विवादास्पद भाषा नीति लागू करने के लिए सीबीएसई का इस्तेमाल कर रही है, वह एक बार फिर विद्यार्थियों, शिक्षकों और अभिभावकों के प्रति पूर्ण उपेक्षा–भाव को दिखाता है। इसी 15 मई को, सीबीएसई ने एक परिपत्र जारी कर 1 जुलाई से नौवीं के विद्यार्थियों के लिए तीन भाषाओं का अध्ययन अनिवार्य कर दिया। इसके लिए नयी शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 और 'स्कूली शिक्षा के लिए राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा 2023' के साथ संगति का हवाला दिया गया। तीन में से कम–से–कम दो देशी भारतीय भाषाएं होनी चाहिए। फ्रेंच या जर्मन जैसी विदेशी भाषाएं तीसरी भाषा के रूप में केवल तभी ली जा सकेंगी जब पहली दो भाषाएं भारतीय हों, या फिर वैकल्पिक चौथे विषय के रूप में ली जा सकेंगी। विद्यार्थियों के सामने खड़ी की गयी कठिनाई पर पर्दा डालने की तुच्छ कोशिश में, सीबीएसई ने दसवीं के बोर्ड इम्तिहान से तीसरी भाषा को छूट दे दी, जिसका मूल्यांकन स्कूल–आधारित आंतरिक मूल्यांकनों के जरिए किया जायेगा। हालांकि, इसके अंक अंतिम प्रमाणपत्र में अब भी मौजूद रहेंगे।

बमुश्किल कुछ हफ्ते पहले, सीबीएसई ने कहा था कि तीसरी भाषा की जरूरत को अकादमिक वर्ष 2029–30 तक टाला जायेगा। लेकिन अचानक दिशा बदलने की केवल एक वजह हो सकती है कि यह राजनीतिक निर्णय है। इस कदम को कई आधारों पर सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी जा रही है, जिसमें संवैधानिक आधार भी शामिल हैं। याचिकाकर्ताओं की दलील है कि भाषा व्यक्तिगत पसंद का मामला है और इसे राज्य सत्ता द्वारा थोपा नहीं जा सकता। यह भी कहा जा रहा है कि जिस एनईपी 2020 के नाम पर यह व्यवस्था लागू की जा रही है, वह लचीलेपन का वादा करती है और यह गारंटी देती है कि किसी विद्यार्थी या किसी राज्य पर कोई भाषा थोपी नहीं जायेगी। याचिकाकर्ताओं की यह भी दलील है कि बतौर कार्यकारी निकाय सीबीएसई के पास संसद से बने कानून के समर्थन के बगैर इतना व्यापक शैक्षिक आदेश लागू करने का अधिकार नहीं है, भले ही एनईपी में कुछ भी कहा गया हो, क्योंकि उसमें जो कहा गया है वह एक कार्यपालिकीय नीति की मंशा है, न कि कानून। माता–पिता और शिक्षक बोर्ड इम्तिहान से ठीक पहले विद्यार्थियों पर इस अतिरिक्त दबाव को लेकर चिंतित हैं।

तमिलनाडु लगातार त्रि–भाषा फॉर्मूले का विरोध करता आया है। 1937 में सी राजगोपालाचारी की अध्यक्षता वाली तत्कालीन मद्रास सरकार ने वहां के स्कूलों में हिंदी की पढ़ाई अनिवार्य कर दी थी। जस्टिस पार्टी और पेरियार जैसे द्रविड़ नेताओं ने बड़े पैमाने पर इस फैसले का विरोध किया था। 1940 में इस नीति को रद्द कर दिया गया, लेकिन हिंदी विरोधी भावनाएं बरकरार रहीं।

साल 1968 में जब त्रि–भाषा फॉर्मूला पेश किया गया था, तब तमिलनाडु ने इसे हिंदी को थोपने का प्रयास करार देते हुए इसका विरोध किया था। तत्कालीन मुख्यमंत्री सीएन अन्नादुरई के नेतृत्व में तमिलनाडु ने दो–भाषा नीति अपनाई थी, जिसके तहत केवल तमिल और अंग्रेजी पढ़ाई जाती थी।

स्कूल प्रशासकों ने प्रशिक्षित भाषा–शिक्षकों की कमी और उपयुक्त पाठ्यपुस्तकों की अनुपलब्धता की ओर ध्यान खींचा है। स्कूली शिक्षा को सांस्कृतिक युद्धभूमि में बदलने से उन्नत मानव संसाधन का वैश्विक भंडार बनने की भारत की महत्वाकांक्षा को कोई मदद नहीं मिलने वाली। सुप्रीम कोर्ट द्वारा इस मामले पर दोबारा सुनवाई किए जाने से पहले केंद्र को अपनी गलती सुधार लेनी चाहिए।

उमुगांडा से मनोरमा तक: सामूहिक संकल्प की यात्रा

—अखिल कुमार यादव—

किसी भी राष्ट्र की असली ताकत उसकी आर्थिक संपन्नता, विशाल इमारतों या आधुनिक तकनीक में नहीं, बल्कि उसके नागरिकों की सामूहिक चेतना और सार्वजनिक जीवन के प्रति उनकी जिम्मेदारी में निहित होती है। जब लोग यह समझने लगते हैं कि स्वच्छ सड़कें, सुरक्षित पर्यावरण, स्वच्छ नदियां और संरक्षित प्राकृतिक संसाधन केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि पूरे समाज की साझा धरोहर हैं, तब विकास का एक नया अध्याय शुरू होता है। दुनिया के अनेक देशों ने जनभागीदारी की इसी शक्ति के बल पर उल्लेखनीय परिवर्तन किए हैं। अफ्रीकी देश रवांडा की ष्उमुगांडाष परंपरा और उत्तर प्रदेश के बस्ती जनपद में मनोरमा (मनवर) नदी के संरक्षण के लिए चलाया गया अभियान इसी विचारधारा के दो प्रेरक उदाहरण हैं। रवांडा में 'उमुगांडा' केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि सामाजिक जीवन का अभिन्न हिस्सा है। प्रत्येक माह के अंतिम शनिवार को नागरिक अपने निजी कार्यों को कुछ समय के लिए विराम देकर सार्वजनिक हित के कार्यों में भाग लेते हैं। लोग सड़कों की सफाई करते हैं, सार्वजनिक स्थलों का रखरखाव करते हैं, वृक्षारोपण करते हैं, जल स्रोतों को संरक्षित करते हैं और अपने आसपास के वातावरण को बेहतर बनाने के लिए श्रमदान करते हैं। इस परंपरा ने रवांडा को दुनिया के सबसे स्वच्छ देशों में शामिल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इससे यह सिद्ध होता है कि जब नागरिक स्वयं परिवर्तन के वाहक बन जाते हैं, तब सीमित संसाधनों के बावजूद असाधारण उपलब्धियां हासिल की जा सकती हैं।

भारत में भी सामुदायिक श्रम और जनभागीदारी की परंपरा नई नहीं है। गांवों में तालाबों की खुदाई, कुओं का निर्माण, मार्गों की मरम्मत और धार्मिक–सामाजिक आयोजनों में सामूहिक श्रमदान की परंपरा सदियों से चली आ रही है। महात्मा गांधी ने स्वच्छता और श्रमदान को राष्ट्र निर्माण का आधार माना था। उनका मानना था कि समाज का उत्थान तभी संभव है जब लोग स्वयं अपने परिवेश की जिम्मेदारी स्वीकार करें। विनोबा भावे और जयप्रकाश नारायण जैसे समाज सुधारकों ने भी सामुदायिक सहयोग को सामाजिक परिवर्तन का सबसे प्रभावी माध्यम बताया था। आज जब पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण और जल संकट जैसी गंभीर चुनौतियों का सामना कर रही है, तब जनभागीदारी का महत्व और बढ़ जाता है। संयुक्त राष्ट्र सहित अनेक वैश्विक संस्थाएं चेतावनी दे चुकी हैं कि आने वाले दशकों में जल संकट मानव सभ्यता के सामने सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक होगा। बढ़ती आबादी, अनियंत्रित शहरीकरण और प्राकृतिक संसाधनों के अंधाधुंध दोहन ने नदियों और जल स्रोतों पर भारी दबाव डाला है। ऐसे समय में नदियों का संरक्षण केवल पर्यावरणीय आवश्यकता नहीं, बल्कि भविष्य की पीढ़ियों के अस्तित्व का प्रश्न बन गया है। भारत की सभ्यता नदियों के किनारे विकसित हुई है। गंगा, यमुना, सरयू, गोमती, नर्मदा और ब्रह्मपुत्र जैसी नदियां केवल जलधाराएं नहीं हैं, बल्कि भारतीय संस्कृति, आस्था और जीवन की आधारशिला हैं। इन्हीं नदियों के तटों पर नगर बसे, कृषि का विस्तार हुआ और सभ्यताओं ने जन्म लिया। लेकिन दुर्भाग्यवश आधुनिक विकास की दौड़ में अनेक नदियां प्रदूषण और अतिक्रमण का शिकार हो गईं। उत्तर प्रदेश के बस्ती जनपद से होकर बहने वाली पौराणिक मनोरमा नदी भी लंबे समय तक इसी संकट से जूझती रही। मनोरमा नदी केवल एक जलधारा नहीं है, बल्कि बस्ती और आसपास के क्षेत्रों की सांस्कृतिक, धार्मिक और ऐतिहासिक पहचान का महत्वपूर्ण हिस्सा है। स्थानीय जनश्रुतियों और धार्मिक मान्यताओं में इसका विशेष स्थान माना जाता है। समय के साथ बढ़ते प्रदूषण, प्लास्टिक कचरे और उपेक्षा के कारण नदी का स्वरूप प्रभावित होने लगा। कई स्थानों पर इसकी स्थिति इतनी खराब हो गई कि नदी नाले जैसी दिखाई देने लगी। नदी के किनारे कचरे के ढेर जमा होने लगे और जल प्रवाह भी प्रभावित होने लगा। यह स्थिति केवल पर्यावरण के लिए ही नहीं, बल्कि स्थानीय समाज की सांस्कृतिक विरासत के लिए भी चिंता का विषय बन गई।

इसी दौरान बस्ती के युवा पर्यावरण प्रेमी आकाश गुप्ता और उनके साथियों ने एक ऐसा कदम उठाया, जिसने पूरे क्षेत्र का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया। उन्होंने मनोरमा नदी की सफाई और संरक्षण का संकल्प लिया। शुरुआत में यह प्रयास कुछ लोगों का छोटा–सा अभियान था, लेकिन धीरे–धीरे यह जनभागीदारी का उदाहरण बन गया। बताया जाता है कि लगातार कई सप्ताह तक श्रमदान करते हुए टीम ने नदी से हजारों किलोग्राम प्लास्टिक और अन्य कचरा निकाला। जहरीले पानी, दुर्गंध और संक्रमण जैसी कठिन परिस्थितियों के बावजूद युवाओं का यह समूह अपने लक्ष्य पर डटा रहा। शुरुआत में कई लोगों ने इस प्रयास को असंभव बताया। कुछ लोगों ने इसे समय की बर्बादी कहा, लेकिन आकाश गुप्ता और उनके साथियों ने हार नहीं मानी। धीरे–धीरे स्थानीय नागरिक, छात्र, सामाजिक संगठन और जागरूक लोग इस अभियान से जुड़ने लगे। नदी तटों की सफाई के साथ–साथ लोगों को यह भी समझाया गया कि नदी केवल जल का स्रोत नहीं है, बल्कि पूरे पारिस्थितिकी तंत्र का आधार है। यदि नदियां जीवित रहेंगी, तभी भूजल, कृषि, जैव विविधता और मानव जीवन सुरक्षित रहेगा। मनोरमा नदी अभियान की सबसे बड़ी उपलब्धि केवल कचरा हटाना नहीं थी, बल्कि समाज में जागरूकता पैदा करना था। इस अभियान ने लोगों को यह सोचने के लिए प्रेरित किया कि पर्यावरण संरक्षण केवल सरकारी विभागों की जिम्मेदारी नहीं है। यदि नागरिक स्वयं आगे आएं, तो वे अपने क्षेत्र की तस्वीर बदल सकते हैं। यही वह भावना है जो रवांडा की उमुगांडा परंपरा में दिखाई देती है और यही भावना भारत के विभिन्न सामाजिक अभियानों में भी दिखाई पड़ती है।

31 मई, 2026 को प्रसारित अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम ष्मन की बातष के 134वें संस्करण में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बस्ती जनपद की पौराणिक मनोरमा नदी के संरक्षण और सफाई के लिए कार्य कर रही युवा टीम की विशेष प्रशंसा की। उन्होंने आकाश गुप्ता और उनके साथियों के प्रयासों का उल्लेख करते हुए कहा कि कुछ युवाओं ने बिना किसी शिकायत के स्वयं जिम्मेदारी उठाई और नदी को स्वच्छ बनाने का अभियान शुरू किया। प्रधानमंत्री ने बताया कि यह टीम जाल, फावड़े और टोकरियों के साथ नदी में उतरकर प्रतिदिन बड़ी मात्रा में प्लास्टिक और अन्य अपशिष्ट पदार्थ निकालती रही, जिसके परिणामस्वरूप नदी के एक हिस्से में फिर से स्वच्छ जल प्रवाह दिखाई देने लगा। उन्होंने इस पहल को जनशक्ति, श्रमदान और पर्यावरणीय चेतना का उत्कृष्ट उदाहरण बताते हुए कहा कि ऐसे प्रयास पूरे देश के लिए प्रेरणा हैं। प्रधानमंत्री की यह सराहना न केवल बस्ती जनपद के लिए गौरव का विषय है, बल्कि यह भी प्रमाणित करती है कि स्थानीय स्तर पर शुरू हुआ एक छोटा प्रयास राष्ट्रीय स्तर पर परिवर्तन की प्रेरणा बन सकता है।

इस अभियान ने यह भी सिद्ध किया कि युवा केवल भविष्य नहीं, बल्कि वर्तमान के भी परिवर्तनकारी नेतृत्वकर्ता हैं। जब युवा किसी उद्देश्य को अपना मिशन बना लेते हैं, तो समाज में सकारात्मक बदलाव की नई संभावनाएं जन्म लेती हैं। आकाश गुप्ता और उनके साथियों का प्रयास इस बात का प्रमाण है कि एक छोटा समूह भी बड़े सामाजिक परिवर्तन की शुरुआत कर सकता है। उनके कार्य ने यह संदेश दिया कि पर्यावरण संरक्षण के लिए बड़े बजट या विशाल संसाधनों से अधिक आवश्यक है, इच्छाशक्ति, निरंतरता और समाज के प्रति समर्पण। इस पूरे परिदृश्य में ग्राम पंचायतों, स्थानीय निकायों और सामाजिक संगठनों की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। यदि प्रत्येक ग्राम पंचायत अपने क्षेत्र की नदी, तालाब और जलाशयों के संरक्षण के लिए वार्षिक कार्ययोजना तैयार करे, नियमित सफाई अभियान चलाए और स्थानीय लोगों को इससे जोड़े, तो जल संरक्षण के क्षेत्र में अभूतपूर्व परिणाम प्राप्त किए जा सकते हैं। मनरेगा, अमृत सरोवर, जल जीवन मिशन और अन्य सरकारी योजनाओं को जनभागीदारी के साथ जोड़कर और अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम विकास को केवल भवनों और सड़कों तक सीमित न रखें, बल्कि प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण को भी विकास का अभिन्न अंग मानें। नदियां केवल जलधाराएं नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति, अर्थव्यवस्था और जीवन की आधारशिला हैं। उनका संरक्षण आने वाली पीढ़ियों के भविष्य को सुरक्षित करने के समान है। यदि प्रत्येक नागरिक महीने में कुछ घंटे भी अपने गांव, मोहल्ले, नदी, तालाब या सार्वजनिक स्थल के लिए समर्पित करे, तो स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण का सपना कहीं अधिक तेजी से साकार हो सकता है।

रवांडा की उमुगांडा परंपरा और बस्ती की मनोरमा नदी के लिए चलाया गया अभियान हमें एक ही संदेश देते हैं परिवर्तन किसी एक व्यक्ति, संस्था या सरकार से नहीं आता, बल्कि समाज के सामूहिक संकल्प से आता है। जब नागरिक अपने परिवेश को बेहतर बनाने का निर्णय लेते हैं, तब नदियां पुनर्जीवित होती हैं, पर्यावरण सुरक्षित होता है और विकास को नई दिशा मिलती है। मनोरमा नदी के किनारे शुरू हुआ यह प्रयास केवल एक सफाई अभियान नहीं, बल्कि जनजागरण, सामाजिक उत्तरदायित्व और पर्यावरणीय चेतना का ऐसा उदाहरण है, जो आने वाले समय में अनेक लोगों को प्रेरित करता रहेगा। यही जनभागीदारी भारत को स्वच्छ, समृद्ध, पर्यावरण–सुरक्षित और सतत विकास की दिशा में आगे बढ़ाने का सबसे प्रभावी मार्ग है।

भारतीय पत्रकारिता की गिरती शाख

— निर्मल रानी—

पेरिस–आधारित अंतरराष्ट्रीय संगठन रिपोर्टर्स विदाउट बॉर्डर्स द्वारा वार्षिक रूप से जारी किये जाने वाले विश्व प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक के अनुसार यदि भारतीय पत्रकारिता की रैंकिंग पर नजर डालें तो 2026 में यह 180 देशों में 157 वें स्थान पर है। पिछले वर्ष से यह रैंकिंग 62 अंक नीचे गिरी है। यह स्थिति विश्व में भारतीय पत्रकारिता की ष्बहुत गंभीरष श्रेणी की तरफ इशारा करती है। जबकि नॉर्वे, एस्तोनिया व नीदरलैंड्स जैसे देशों के नाम इस सूची में शीर्ष पर हैं। चिंता की बात तो यह है कि पड़ोसी देशों नेपाल,मालदीव व श्रीलंका जैसे देशों की स्थिति भी भारत से बेहतर है। गोया भारत में प्रेस स्वतंत्रता इस समय ष्संकट के दौर से गुजर रही है जिसकी वजह सत्ता का नियंत्रण,राजनीतिक दबाव, अप्रत्यक्ष डिजिटल निगरानी,विज्ञापन की लालच,मीडिया घरानों पर सत्ता से जुड़े लोगों का नियंत्रण व पत्रकारों के साथ होने वाली हिंसा व अन्याय प्रमुख कारण हैं। यही वजह है कि भारतीय मीडिया श्गोदी मीडिया ' के नाम से भी प्रचलित हो गया है। हालाँकि सत्ता की चाटुकारिता के इसी दौर में पूर्व में श्गोदी मीडिया ' से जुड़े रहे अनेक ईमानदार पत्रकार अपने निजी यू ट्यूब चैनल चलाकर भारतीय मीडिया की साख बचाने की कोशिश जरूर कर रहे हैं।

अफसोस की बात तो यह है कि जनता द्वारा गोदी पत्रकार,चरण चुंबक पत्रकार,दलाल जैसी 'उपाधियों ' से नवाजे जाने व सोशल मीडिया पर आम जनता की लानतें सुनने के बाद भी यह 'गोदी पत्रकार ' ईमानदारी से पत्रकारिता का दायित्व निभाने के बजाये अपने बेतुके बोल,सत्ता के प्रति अपनी 'वफादारी' व अज्ञानता पूर्ण बातों के चलते आम लोगों की नफरत का पर्याय बनते जा रहे हैं। यही वजह है कि 'शो पीस' रुपी इन ऐंकर्स व इनके टी वी चैनल्स की लोकप्रियता व इनके दर्शकों की संख्या जहां दिन प्रतिदिन गिरती जा रही है वहीँ यू ट्यूब चैनल्स व सोशल मीडिया से जुड़े ईमानदार पत्रकारों के दर्शकों की संख्या बढ़ती ही जा रही है। पिछले दिनों गोदी मीडिया से जुड़े एक प्रसिद्ध टी वी चैनल की एक प्रसिद्ध महिला ऐंकर अंजना ओम कश्यप ने एक लाइव शो के दौरान हुई एक अभद्र टिप्पणी करते हुये 'यूट्यूब टीचर्स' और 'ऑनलाइन एजुकेटर्स' पर निशाना साधा। उन्होंने यूट्यूब टीचर्स के लिये 'दो कौड़ी के' 'फ्रॉडष, 'लुटेरे', 'छिछले यूट्यूबर' और 'भाड़े के वीडियो' जैसे अपमानजनक शब्दों का प्रयोग किया। अपनी बकवास में उन्होंने कहा कि यूट्यूब 'स्टार टीचर्स' को 'दो कौड़ी का ज्ञान' भी नहीं होता। उन्होंने कहा कि मोटिवेशन के नाम पर ये शिक्षक केवल व्यूज और कमाई के लिए कंटेंट बनाते हैं। कम जानकारी के कारण ऐसे टीचर्स छात्रों को गुमराह कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि ये सिर्फ भ्रामक हेडलाइंस लिखकर व्यूज बटोरते हैं।

इस गैर जिम्मेदाराना व अपमानजनक टिप्पणी के बाद देश के अनेकानेक प्रसिद्ध यू ट्यूबर्स खासकर शिक्षकों,ऑनलाइन एजुकेटर्स व उनके छात्रों व समर्थकों का गुस्सा इस महिला ऐंकर फूट पड़ा। सोशल मीडिया पर उसकी जबरदस्त ट्रोलिंग हुई। देश विदेश से लोगों ने वीडियो बनाकर उस महिला एंकर के इस बेहूदा बयान की निंदा की तथा उन्हें पत्रकारिता के दायित्व व कर्तव्य बताते हुये आइना दिखाना शुरू कर दिया। कुछ ने तो यहाँ तक कह दिया कि वे जिन शिक्षकों के बारे में यह कह रही है कि उन्हें 'दो कौड़ी का ज्ञान' भी नहीं होता तो दरअसल उन जैसी पत्रकारों को 'फूटी कौड़ी' का भी ज्ञान नहीं है। अन्यथा आज के सूचना व संचार के आधुनिक दौर में जब पूरे विश्व में ज्ञान का माध्यम यू ट्यूब व ए आई ही है, उस माध्यम पर ऐसी घटिया टिप्पणी नहीं की गयी होती। वास्तव में शिक्षक पूरी मेहनत से बच्चों को पढ़ाते हैं और बेरोजगारी,परीक्षा प्रणाली,महंगाई व पेपर लीक जैसे मुद्दों को उठाते हैं जबकि इन शिक्षकों को अपमानित करने वाला गोदी मीडिया वास्तविक मुद्दों को उठाकर पत्रकारिता का दायित्व निभाने के बजाये सत्ता की चापलूसी करने में व्यस्त रहता है।

इसी तरह पिछले दिनों उत्तराखंड के कोटद्वार के दीपक कुमार उर्फ 'मोहम्मद दीपक' के जिम पर आर्थिक संकट आ गया। क्योंकि हिंदूवादी संगठनों के विरोध के बाद उनके जिम से अनेक लोगों ने अपने संबंध तोड़ लिये। इसी विषय को लेकर अजित अंजुम व अशोक कुमार पांडेय जैसे जिम्मेदार पत्रकार व प्रसिद्ध यू ट्यूबर्स ने दीपक की आर्थिक सहायता की अपील की। परिणाम स्वरूप देशभर के अमन पसंद लोगों ने दीपक की इतनी सहायता कर दी कि उनका संकट कई वर्षों के लिए टल गया। इस अपील पर तमाम नये लोगों ने जिम की सदस्यता भी लेकर दीपक की आर्थिक मदद की। परन्तु अमन चोपड़ा नामक इसी गोदी मीडिया के एक बदनाम शुदा एंकर ने इस खबर को नकारत्मक रूप में पेश करते हुये अपनी ओछी व घटिया टिप्पणी में दीपक की आर्थिक तंगी का मजाक उड़ाते हुए और उसपर तंज कसते हुये कहा कि 'सेक्युलरिज्म का वजन नहीं उठा पाए पहलवान दीपक, ओ सॉरी, मोहम्मद दीपक'। उसने यह भी कहा कि 'नाम के आगे 'मोहम्मद' लगाने से भी उनके विचार को फ्लॉप कर दिया गया... मोहम्मद दीपक के लिए, कोई मोहम्मद उस तरह से खड़ा नहीं हुआ।' इस नफरती ऐंकर ने आर्थिक संकट के समय दीपक का मजाक उड़ाया जबकि दीपक ने कोटद्वार घटना के समय धर्म नहीं बल्कि केवल इंसानियत दिखाई थी। बहरहाल भारतीयता के पैरोकार देश भर के हजारों शांतिप्रिय लोगों ने दीपक की अनअपेक्षित सहायता कर नफरती चिंटुओं के मुंह पर तमाचा जड़ दिया। दरअसल यह उन्हीं कथित 'पत्रकारों' का गिरोह है जिसने 2025 में ऑपरेशन सिंदूर के समय जब एक गोदी चैनल पाकिस्तान के 5 शहर तबाह होने का दावा कर रहा था तो दूसरे चैनल ने कहा था कि 25 शहर तबाह हो गए। यह वही एंकर्स हैं जो स्टूडियो में बंदरों की तरह उछलते हैं और अभद्र शब्दावली का प्रयोग यहाँ तक कि लड़ाई व मारपीट को भी प्रोत्साहित करते रहते हैं। यह कथित पत्रकार धर्म–जाति के आधार पर समाज बांटने वाली बातें करते हैं तथा 2000 की नोट में चिप लगी होने का भ्रामक दावा कर भारतीय करेंसी को भी बदनाम करते हैं। ऐसे अनेक लोग कभी किसी अपराध में जेल जा चुके हैं तो कभी अपने भ्रामक बयानों के लिये मुआफी मांग चुके हैं। अपना भ्रामक व गुमराह करने वाले ट्वीट डिलीट करने में भी इन्हें महारत हासिल है। अदालती फटकार भी इन्हें आये दिन सुनने को मिलती रहती है। सत्ता की खुशामद कर समाज में नफरत फैलाकर केवल धन कमाने वाले ऐसे लोगों को पत्रकार नहीं बल्कि 'पत्थरकार' कहना ज्यादा मुनासिब होगा।

वेंटिलेटर पर देश की परीक्षा व्यवस्था

—योगेश कुमार गोयल—

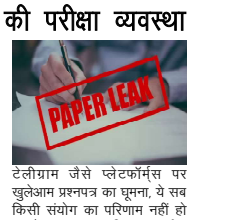

भारत में परीक्षा अब केवल योग्यता का आकलन नहीं रह गई है बल्कि यह करोड़ों सपनों की निर्णायक कसौटी बन चुकी है लेकिन जब यही कसौटी बार–बार संदिग्ध हो जाए, जब मेहनत और ईमानदारी की जगह 'जुगाड़' और 'माफिया नेटवर्क' हावी हो जाएं, तब यह केवल परीक्षा का संकट नहीं बल्कि राष्ट्र के भविष्य का संकट बन जाता है। पेपर लीक के चलते नीट–यूजी 2026 परीक्षा का रद्द होना, सीबीएसई की ऑन स्क्रीन मार्किंग (ओएसएम) प्रणाली पर उठे गंभीर सवाल और एसएससी जीडी परीक्षा में धांधली, ये घटनाएं मिलकर यह साबित करती हैं कि भारत की परीक्षा प्रणाली अब गहरे संस्थागत संकट में फंस चुकी है और भारत की परीक्षा प्रणाली अब वेंटिलेटर पर है। नीट–यूजी 2026 का घटनाक्रम तो इस विफलता की सबसे भयावह तस्वीर पेश करता है। लगभग 22.79 लाख छात्रों की मेहनत, उनके परिवारों के त्याग और वर्षों की तैयारी एक झटके में शून्य हो गई। यह केवल एक परीक्षा का रद्द होना नहीं था बल्कि उस विश्वास का टूटना था, जिस पर पूरी शिक्षा व्यवस्था टिकी हुई है। इससे भी अधिक चिंताजनक तथ्य यह है कि इस बार मामला केवल बाहरी गिरोहों तक सीमित नहीं रहा बल्कि जांच में राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) के भीतर तक मिलीभगत के आरोप सामने आए।

सीबीआई की जांच और संसदीय समिति की पूछताछ में यह संकेत मिले हैं कि प्रश्नपत्र तैयार करने और परीक्षा प्रबंधन से जुड़े कुछ अधिकारियों ने मोटी रकम लेकर चुनिंदा छात्रों तक प्रश्नपत्र पहुंचाने का काम किया। यदि ये आरोप सही हैं तो यह केवल भ्रष्टाचार नहीं बल्कि संस्थागत विश्वासघात है। जिस संस्था को निष्पक्षता की गारंटी देनी थी, वही यदि धांधली का हिस्सा बन जाए तो पूरी व्यवस्था का नैतिक आधार ही खत्म हो जाता है। नीट पेपर लीक की प्रकृति भी सामान्य नहीं थी। 'गेस पेपर' के नाम पर लगभग 150 से अधिक प्रश्नों का हूबहू मिल जाना, परीक्षा से पहले 600 अंकों तक के सवालों का प्रसार, व्हाट्सएप और टेलीग्राम जैसे प्लेटफॉर्म्स पर खुलेआम प्रश्नपत्र का घूमना, ये सब किसी संयोग का परिणाम नहीं हो सकते। यह एक संगठित, बहुस्तरीय और तकनीकी रूप से सक्षम नेटवर्क का संकेत है, जो परीक्षा प्रणाली की हर कमजोर कड़ी को भेद चुका है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि 2024 में पेपर लीक के बाद भी कोई ठोस सुधार क्यों नहीं हुआ? सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणियों, जांच समितियों और सिफारिशों के बावजूद 2026 में स्थिति और बदतर कैसे हो गई? इसका सीधा अर्थ है कि समस्या तकनीकी कम और इच्छाशक्ति की अधिक है।

भारत की परीक्षा प्रणाली का ढ़ांचा ही कई स्तरों पर कमजोर है। प्रश्नपत्रों की छपाई से लेकर वितरण तक की प्रक्रिया में निजी एजेंसियों और आउटसोर्स कर्मचारियों की बड़ी भूमिका रहती है। यही वह जगह है, जहां से माफिया नेटवर्क अपनी जड़ें जमाता है। जब प्रश्नपत्र परीक्षा केंद्र तक पहुंचने से पहले ही स्कैन होकर डिजिटल रूप में फैल सकता है तो यह स्पष्ट संकेत है कि सुरक्षा तंत्र केवल कागजों पर मजबूत है, जमीन पर नहीं। दूसरी ओर, कोचिंग उद्योग का अनियंत्रित विस्तार इस संकट को और गहरा कर रहा है। मेडिकल और इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षाएं अब हजारों करोड़ रुपये का बाजार बन चुकी हैं। इस बाजार में 'सफलता' एक उत्पाद है, जिसे खरीदने के लिए छात्र और अभिभावक किसी भी हद तक जाने को मजबूर हैं। इसी मानसिकता का फायदा उठाकर एजुकेशन माफिया 'सीक्रेट पेपर', '100 प्रतिशत सलेक्शन गारंटी' और 'इनसाइडर एक्सेस' जैसे झूठे वादों के जरिए पूरे सिस्टम को खोखला कर रहा है।

यदि नीट प्रकरण परीक्षा प्रणाली की सुरक्षा पर सवाल खड़ा करता है तो सीबीएसई का ओएसएम विवाद मूल्यांकन प्रणाली की विश्वसनीयता पर गंभीर चोट करता है।

पुलिस दो वाहन चोरों को पकड़ा चोरी की 8 मोटरसाइकिल बरामद

संवाददाता—देवरिया। पुलिस और एंटी थेफ्ट टीम को वाहन चोरी के मामलों में बड़ी सफलता मिली है। संयुक्त टीम ने दो शातिर वाहन चोरों को गिरफ्तार कर उनके पास से आठ चोरी की मोटरसाइकिलें बरामद की हैं। पुलिस के अनुसार, आरोपी लंबे समय से वाहन चोरी कर उन्हें छिपाकर रखते थे और बाद में बेच देते थे।

बुधवार भोर में कोतवाली पुलिस और एंटी थेफ्ट टीम ने चीनी मिल ग्राउंड के पास घेराबंदी कर इन युवकों को पकड़ा। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान बिहार के सिवान जिले के मैरवा थाना क्षेत्र निवासी सुमित कुमार और गोपालगंज जिले के भोरे बाजार थाना क्षेत्र निवासी विकास कुमार के रूप में हुई है।

पुलिस ने सुमित के कब्जे से एक चोरी की हीरो स्प्लेंडर प्लस और विकास के पास से दूसरी चोरी की हीरो स्प्लेंडर प्लस बरामद की। पूछताछ के दौरान दोनों आरोपियों ने वाहन चोरी करने और उन्हें अलग–अलग स्थानों पर छिपाकर रखने की बात स्वीकार की।

आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस ने चीनी मिल गेट के पास झाड़ियों से छह अन्य चोरी की मोटरसाइकिलें भी बरामद कीं। इनमें हीरो सुपर स्प्लेंडर, हीरो पैशन प्रो, सुपर स्प्लेंडर, हीरो स्प्लेंडर और दो हीरो एचएफ डीलक्स मोटरसाइकिलें शामिल हैं। कुछ वाहनों पर फर्जी नंबर प्लेट भी लगी मिली थीं।

पुलिस जांच में सामने आया है कि बरामद मोटरसाइकिलों से जुड़े चोरी के कई मुकदमे पहले से कोतवाली देवरिया और बिहार के विभिन्न थानों में दर्ज हैं। कोतवाली थाना पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं के तहत नया मुकदमा दर्ज किया है।

पुलिस दोनों आरोपियों के आपराधिक नेटवर्क और उनके अन्य साथियों की तलाश कर रही है। अधिकारियों ने बताया कि वाहन चोरी के गिरोहों के खिलाफ यह अभियान जारी रहेगा। बरामद मोटरसाइकिलों के वास्तविक स्वामियों की पहचान कर उन्हें वाहन सुपुर्द करने की प्रक्रिया भी शुरू की जाएगी।

कमर्शियल गैस सिलेंडर महंगा, सपा का प्रदर्शन

संवाददाता—देवरिया। समाजवादी पार्टी (सपा) कार्यकर्ताओं ने बुधवार को कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमतों में वृद्धि के विरोध में प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन बरहज तहसील रोड पर सपा नेता विजय रावत के नेतृत्व में आयोजित किया गया। प्रदर्शन के दौरान, कार्यकर्ताओं ने हाथों में तख्तियां लेकर सरकार विरोधी नारे लगाए। उन्होंने महंगाई के मुद्दे पर केंद्र सरकार की नीतियों की आलोचना की और तत्काल मूल्य नियंत्रण की मांग की। सपा नेता विजय रावत ने प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा सरकार की नीतियों के कारण महंगाई लगातार बढ़ रही है, जिससे आम जनता का जीवन बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि गैस सिलेंडर, पेट्रोल और डीजल के बढ़ते दामों ने लोगों की कमर तोड़ दी है। रावत ने आगे कहा कि व्यापारियों, छोटे उद्यमियों और आम उपभोक्ताओं पर इस मूल्य वृद्धि का सीधा असर पड़ रहा है। उन्होंने याद दिलाया कि भाजपा ने महंगाई पर नियंत्रण का वादा कर सत्ता हासिल की थी, लेकिन आवश्यक वस्तुओं और ईंधन की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं। विजय रावत ने दावा किया कि जनता अब महंगाई से राहत की उम्मीद में समाजवादी पार्टी की ओर देख रही है। उन्होंने आश्वासन दिया कि प्रदेश में समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर महंगाई पर प्रभावी नियंत्रण के लिए कदम उठाए जाएंगे और आम लोगों को राहत देने का प्रयास किया जाएगा। कार्यकर्ताओं ने बढ़ती महंगाई के खिलाफ नारेबाजी करते हुए सरकार से कमर्शियल गैस सिलेंडर समेत अन्य आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में कमी करने की मांग की। इस अवसर पर सपा नेता विकास यादव, संजय निषाद, राहुल त्रिपाठी, आलोक तिवारी, वीरेंद्र यादव, इमाम अंसारी, भोलू गुप्ता सहित कई अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे। प्रदर्शन शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ।

फर्जी अधिकारी बन 63 लाख की ठगी का आरोपी गिरफ्तार नौकरी दिलाने के नाम पर लोगों से करता था धोखा

संवाददाता—महराजगंज। पुलिस ने नौकरी दिलाने के नाम पर लोगों से लगभग 63 लाख रुपये की धोखाधड़ी करने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी खुद को विभिन्न विभागों का वरिष्ठ अधिकारी बताकर लोगों को ठगता था। यह गिरफ्तारी ठूठीबारी थाना क्षेत्र से हुई।

पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार अभियुक्त विनीत कुमार सिंह स्वयं को सरकारी विभागों का वरिष्ठ अधिकारी बताता था। वह लोगों को सरकारी नौकरी दिलाने और अधिकारियों से विशेष संपर्क होने का झूठा दावा कर उनसे मोटी रकम ऐंठता था। जांच के दौरान यह सामने आया कि अभियुक्त ने फर्जी अधिकारी बनकर कई लोगों को धोखे में रखा और उनसे आर्थिक लाभ प्राप्त किया। इस मामले में लगभग 63 लाख रुपये की धोखाधड़ी का खुलासा हुआ है। अभियुक्त के खिलाफ मु0अ0सं0 77/2026 धारा 419/420/467 भादवि के तहत मामला दर्ज किया गया था।

पुलिस अधीक्षक महराजगंज श्री शक्ति मोहन अवस्थी के निर्देश पर चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत ठूठीबारी पुलिस टीम ने अपराध नियंत्रण और संदिग्ध व्यक्ति चेकिंग के दौरान उसे गिरफ्तार किया। घटना के बाद से अभियुक्त फरार चल रहा था, जिसकी तलाश की जा रही थी। मुखबिर की सटीक सूचना पर उसे पकड़ा गया। गिरफ्तारी के समय अभियुक्त के कब्जे से तीन आधार कार्ड, एक ड्राइविंग लाइसेंस और दो मोबाइल फोन (वन प्लस) बरामद हुए। इन दस्तावेजों और फोन का उपयोग वह लोगों को भ्रमित करने और अपने प्रभाव का झूठा प्रदर्शन करने में करता था। गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान विनीत कुमार सिंह पुत्र चन्द्रिका सिंह, निवासी बासपार कोठी, थाना श्यामदेउरवा, जनपद महराजगंज के रूप में हुई है। उसकी उम्र लगभग 30 वर्ष है और वह एम.कॉम शिक्षित है। इस गिरफ्तारी को अंजाम देने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक रमेश पुरी, कांस्टेबल कवि कुमार और रिक्रूट कांस्टेबल अभिषेक चौधरी शामिल थे। अभियुक्त से आवश्यक पूछताछ के बाद उसे नियमानुसार न्यायालय भेज दिया गया है।

15 जून तक पूरा कराएं अधूरे काम, चालू कराएं पानी टंकियां

संवाददाता—श्रावस्ती। कलेक्ट्रेट सभागार में बुधवार को डीएम अन्नपूर्णा गर्ग की अध्यक्षता में जिला पेयजल एवं स्वच्छता समिति की बैठक हुई। इसमें हर घर जल योजना के माध्यम से लोगों को पेयजल सुविधा मुहैया कराने के लिए किये जा रहे कार्यों की समीक्षा की गई। बैठक में अधिशासी अभियन्ता जल निगम (ग्रामीण) ने बताया कि जल जीवन मिशन के फेज–2 में मेसर्स लारसेन एण्ड टूबो से प्रस्तावित 124 पाइप पेयजल योजनाओं के सापेक्ष वर्तमान तक 66 परियोजनाओं का कार्य 90–100 प्रतिशत कार्य पूर्ण है। इनमें से 52 पाइप पेयजल योजनाओं को अनुरक्षण एवं संचालन में लिया जा चुका है। फेज–5 के तहत मेसर्स जी ए इन्फ्रा वीपीएल (जेवी) से प्रस्तावित 165 पाइप पेयजल योजनाओं के सापेक्ष वर्तमान तक 30 परियोजनाओं का कार्य 90–100 प्रतिशत कार्य पूर्ण है।

जिनमें से 22 पाइप पेयजल योजनाओं को संचालन एवं अनुरक्षण में लिया जा चुका है। इस पर डीएम ने निर्देशित किया है कि ऐसी सभी परियोजनायें जिनके कार्य 90–100 प्रतिशत तक पूर्ण कर लिये गये है, उनको 15 जून तक पूरा करा कर टंकियों को चालू कराया जाय। जिले में 150 के सापेक्ष 33 राजस्व ग्रामों का हर घर जल सर्टिफिकेशन लम्बित है। इसे जल्द पूरा करें। इसके साथ ही जहां पर सड़कें क्षतिग्रस्त हो गई हैं। उसे पूरा कराएं। इस दौरान सीडीओ शाहिद अहमद, अधिशासी अभियंता जल निगम मोहम्मद इमरान, सहायक अभियंता जल निगम, कार्यदायी संस्था के परियोजना प्रबन्धक सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

महंगाई–कानून व्यवस्था को लेकर कांग्रेस का आंदोलन का ऐलान

संवाददाता—देवरिया। जिला कांग्रेस कमेटी ने महंगाई, कानून व्यवस्था और जनसमस्याओं को लेकर भाजपा सरकार के खिलाफ आंदोलन चलाने की घोषणा की है। बुधवार को टाउन हॉल स्थित कांग्रेस कार्यालय में आयोजित एक बैठक में संगठन की मजबूती और आगामी कार्यक्रमों पर चर्चा की गई। जिलाध्यक्ष विजय शेखर मल्ल 'रोशन' ने कहा कि कांग्रेस जनता की समस्याओं को लेकर सड़क से लेकर प्रशासनिक स्तर तक संघर्ष करेगी। उन्होंने जोर देकर कहा कि पार्टी किसी भी प्रकार के अन्याय और उत्पीड़न के खिलाफ पीड़ितों की लड़ाई लड़ेगी और जरूरत पड़ने पर धरना–प्रदर्शन भी आयोजित किए जाएंगे। बैठक में बढ़ती महंगाई को लेकर चिंता व्यक्त की गई। जिलाध्यक्ष ने आरोप लगाया कि बढ़ती महंगाई ने आम और मध्यम वर्गीय परिवारों की कमर तोड़ दी है। खाद्य पदार्थों, घरेलू उपयोग की वस्तुओं और अन्य आवश्यक सामानों के दाम लगातार बढ़ रहे हैं, जिससे शहर से लेकर गांव तक लोग परेशान हैं। उन्होंने केंद्र और प्रदेश की भाजपा सरकार को जनता को राहत देने में विफल बताया। कानून व्यवस्था का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया गया। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि प्रदेश में अपराध की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं और आम नागरिक खुद को असुरक्षित महसूस कर रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार महिलाओं, किसानों, व्यापारियों और युवाओं से जुड़े मामलों में संवेदनशीलता नहीं दिखा रही है। संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने पर विशेष जोर दिया गया। कांग्रेस पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से आह्वान किया गया कि वे गांव–गांव जाकर पार्टी की नीतियों और विचारधारा को जनता तक पहुंचाएं तथा जनसमस्याओं को प्रमुखता से उठाएं। इस दौरान जिला उपाध्यक्ष अरविंद शाही, जयप्रकाश नगर, अब्दुल जब्बार, सुनील कुमार तिवारी, डॉ. धर्मेंद्र पांडेय, भरत मणि, जिला प्रवक्ता संजीव कुमार मिश्रा, चंदन वर्मा, मार्कण्डेय मिश्रा, रत्नेश मल्ल, आलोक त्रिपाठी, शहनाज जफर, शिव शंकर सिंह, मनोज मणि सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कैबिनेट मंत्री आशीष पटेल बनाए गए गोंडा के प्रभारी मंत्री

संवाददाता—गोण्डा। योगी सरकार के कैबिनेट विस्तार के बाद मंत्रियों के प्रभार वाले जिलों में बदलाव किया गया है। बुधवार को योगी सरकार द्वारा प्राविधिक शिक्षा, उपभोक्ता संरक्षण एवं बांट माप कैबिनेट मंत्री आशीष पटेल को गोंडा जिले का नया प्रभारी मंत्री नियुक्त किया गया है। वह केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल के पति हैं। इससे पहले, कारागार कैबिनेट मंत्री दारा सिंह चौहान गोंडा के प्रभारी मंत्री थे। उन्हें अब गोंडा से हटाकर कुशीनगर और श्रावस्ती जिलों का प्रभारी मंत्री बनाया गया है। आशीष पटेल को गोंडा का नया प्रभारी मंत्री बनाए जाने पर जिले के जनप्रतिनिधियों, भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों और अपना दल (एस) के जिलाध्यक्ष व कार्यकर्ताओं ने उन्हें बधाई दी है। प्रभारी मंत्री बनने से पहले भी आशीष पटेल कई बार गोंडा का दौरा कर चुके हैं। उन्होंने विभागीय समीक्षा बैठकें की हैं और प्राविधिक शिक्षा को लेकर राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज का निरीक्षण कर दिशा–निर्देश भी दिए हैं। उनके प्रभारी मंत्री बनने से अपना दल (एस) को जिले में और मजबूती मिलने की उम्मीद है, क्योंकि वह लगातार संगठन को मजबूत करने के लिए समीक्षा बैठकें और कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर रहे थे। मंत्री आशीष पटेल ने कहा कि सरकार ने उन्हें जो भी जिम्मेदारी दी है, उसका पूर्ण रूप से पालन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि केंद्र और राज्य सरकार की सभी योजनाएं जनता तक पहुंचें, इस पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। साथ ही, जीरो टॉलरेंस नीति के तहत कार्य सुनिश्चित किया जाएगा। मंत्री ने कहा कि जनता और कार्यकर्ताओं की समस्याओं को सुनकर उनका समाधान करना उनकी प्राथमिकता होगी।

एसएसबी डीआईजी ने सोनौली सीमा का दौरा किया

संवाददाता—महराजगंज। एसएसबी डीआईजी ने सोनौली सीमा का दौरा कियारूनौमैसलैंड चौकी और निर्माणाधीन आईसीपी का लिया जायजा, नेपाली अधिकारियों संग बैठक सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) के डीआईजी दीपक बरनवाल ने महराजगंज जनपद स्थित भारत–नेपाल की सोनौली सीमा का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने नोमैंसलैंड पर स्थित सीमा चौकी का निरीक्षण किया तथा सीमा सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। डीआईजी ने निर्माणाधीन इंटीग्रेटेड चेक पोस्ट (आईसीपी) और बॉर्डर पर लगाए गए कांच उपकरणों का भी अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने डीआईजी को सीमा पर लोगों की आवाजाही, सुरक्षा जांच और निगरानी व्यवस्था की जानकारी दी। उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था को और प्रभावी बनाने के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए।

सोनौली सीमा चौकी पर डीआईजी ने भारत और नेपाल के सुरक्षा अधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की। बैठक में सीमा सुरक्षा, समन्वय और विभिन्न प्रशासनिक चुनौतियों पर चर्चा की गई। दोनों देशों के अधिकारियों ने सीमा प्रबंधन को और बेहतर बनाने के उपायों पर विचार–विमर्श किया। पत्रकारों से बातचीत में डीआईजी दीपक बरनवाल ने कहा कि भारत–नेपाल की सोनौली सीमा एक महत्वपूर्ण ट्रांजिट रूट है। यहां इंटीग्रेटेड चेक पोस्ट का निर्माण तेजी से चल रहा है, जिससे यात्रियों और व्यापारिक गतिविधियों को सुविधा मिलेगी। डीआईजी ने कहा कि नेपाल भारत का मित्र देश है और दोनों देशों के बीच आवागमन को सुगम बनाना प्राथमिकता है। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जा रहा है कि आम लोगों को कम से कम परेशानी हो और सुरक्षा व्यवस्था मजबूत रहे। उन्होंने कहा कि सीमा का दुरुपयोग करने या गड़बड़ी फैलाने वाले तत्वों की पहचान कर उन पर कड़ी नजर रखी जाएगी।

जिलाधिकारी ने फार्मर रजिस्ट्री शिविर का जायजा लिया

संवाददाता—बहराइच। जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी ने मुख्य विकास अधिकारी सुनील कुमार इनवंत और मुख्य राजस्व अधिकारी सौरभ दुबे के साथ तहसील एवं ब्लॉक महसी के ग्राम पंचायत रामगांव का दौरा किया। उन्होंने कृषि एवं संबद्ध विभागों द्वारा संचालित योजनाओं के लिए अनिवार्य फार्मर आईडी बनाने हेतु ग्राम पंचायतों में चल रहे शिविरों का जायजा लिया। इसका उद्देश्य जनपद के शत–प्रतिशत किसानों की फार्मर आईडी सुनिश्चित करना है। प्राथमिक विद्यालय रामगांव परिसर में लगे शिविर के निरीक्षण के दौरान सहायक विकास अधिकारी कृषि आर.पी. सिंह ने बताया कि 192 के लक्ष्य के मुकाबले अब तक केवल 44 किसानों की फार्मर रजिस्ट्री की गई है। जिलाधिकारी के पहुंचने तक उस दिन केवल 5 किसानों की फार्मर आईडी तैयार हो पाई थी। इस धीमी प्रगति पर जिलाधिकारी त्रिपाठी ने उप संभागीय कृषि प्रसार अधिकारी शिशिर कुमार वर्मा को निर्देश दिए। उन्होंने सुनिश्चित करने को कहा कि शेष किसानों की फार्मर रजिस्ट्री अगले तीन दिनों के भीतर तैयार कर ली जाए।

जिलाधिकारी ने यह भी निर्देश दिया कि शिविर में आने वाले किसानों की खतौनी, किसान सम्मान निधि और अन्य संबंधित समस्याओं का भी तत्काल निस्तारण किया जाए। उन्होंने राजस्व विभाग के कर्मियों को राजस्व वाद और चकमार्ग से संबंधित ग्रामीण या किसानों की समस्याओं का गुणवत्तापूर्ण समाधान करने के निर्देश दिए। उन्होंने फार्मर रजिस्ट्री के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि इससे किसानों को क्रय केंद्रों पर गेहूं, धान और सरसों बेचने के लिए सत्यापन की आवश्यकता नहीं होगी। किसान क्रेडिट कार्ड मात्र तीन दिनों में बन जाएगा, आपदा से फसल क्षति होने पर क्षतिपूर्ति प्राप्त करने में आसानी होगी, तथा खाद–बीज सहित अन्य योजनाओं और किसान सम्मान निधि के लिए फार्मर रजिस्ट्री अनिवार्य होगी। इस अवसर पर खंड विकास अधिकारी प्रतीक, लेखपाल, सचिव, पंचायत सहायक और अन्य संबंधित कार्मिक उपस्थित रहे।

कुशीनगर को मिला नया प्रभारी मंत्री, दारा सिंह चौहान संभालेंगे जिले की जिम्मेदारी

संवाददाता—कुशीनगर। उत्तर प्रदेश सरकार ने कुशीनगर जिले के प्रभारी मंत्री में बदलाव किया है। अब दारा सिंह चौहान को कुशीनगर का नया प्रभारी मंत्री नियुक्त किया गया है। शासन के इस निर्णय से जिले की राजनीतिक और प्रशासनिक गतिविधियों को नई दिशा मिलने की उम्मीद है। दारा सिंह चौहान उत्तर प्रदेश की राजनीति में एक प्रमुख चेहरा हैं। उनका राजनीतिक सफर लंबा और सक्रिय रहा है। उन्होंने विभिन्न दलों में रहते हुए प्रदेश की राजनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वर्तमान में वह उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री पद पर कार्यरत हैं और पूर्वांचल की राजनीति में उनका अच्छा प्रभाव माना जाता है। दारा सिंह चौहान का जन्म मऊ जनपद में हुआ था। उन्होंने छात्र राजनीति से अपने सार्वजनिक जीवन की शुरुआत की। बाद में उन्होंने राष्ट्रीय राजनीति में भी सक्रिय भूमिका निभाई, जिसमें राज्यसभा सदस्य और लोकसभा सांसद के रूप में क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करना शामिल है। पिछड़े वर्गों और ग्रामीण क्षेत्रों के मुद्दों को लेकर उनकी पहचान एक जमीनी नेता के रूप में रही है। उत्तर प्रदेश की राजनीति में दारा सिंह चौहान ने कई अहम जिम्मेदारियां संभाली हैं। वर्ष 2017 में भाजपा सरकार बनने के बाद उन्हें कैबिनेट मंत्री बनाया गया था। वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव से पहले उन्होंने भाजपा छोड़कर समाजवादी पार्टी का दामन थामा था और चुनाव भी लड़ा। बाद में उन्होंने पुनः भाजपा में वापसी की और सरकार में मंत्री पद की जिम्मेदारी संभाली। कुशीनगर के प्रभारी मंत्री के रूप में उनकी नियुक्ति को राजनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। कुशीनगर एक अंतरराष्ट्रीय बौद्ध पर्यटन स्थल होने के साथ–साथ कृषि प्रधान जिला भी है। ऐसे में जिले के विकास कार्यों, कानून–व्यवस्था, सरकारी योजनाओं की समीक्षा और विभिन्न विभागों के समन्वय में प्रभारी मंत्री की भूमिका अहम रहती है। स्थानीय राजनीतिक जानकारों का मानना है कि दारा सिंह चौहान के अनुभव का लाभ कुशीनगर जिले को मिलेगा।

देवदह को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जाएगा जिलाधिकारी ने लंबित कार्य शीघ्र पूरे करने के निर्देश दिए

संवाददाता—महराजगंज। जिलाधिकारी गौरव सिंह सागरवाल ने बुधवार को नौतनवा तहसील के लक्ष्मीपुर विकास खंड स्थित प्राचीन बौद्ध स्थल देवदह का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने स्थल के समग्र विकास, पर्यटन सुविधाओं के विस्तार और लंबित कार्यों को शीघ्र पूरा करने के लिए संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने देवदह को ऐतिहासिक और धार्मिक रूप से अत्यंत महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि यह भगवान बुद्ध के जीवन से जुड़ी एक महत्वपूर्ण धरोहर है, जिसके संरक्षण और विकास के लिए सभी विभागों को मिलकर काम करना चाहिए। उन्होंने जोर दिया कि यदि इसे व्यवस्थित रूप से विकसित किया जाए, तो यह राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बौद्ध पर्यटन का प्रमुख केंद्र बन सकता है।

निरीक्षण के दौरान, जिलाधिकारी ने देवदह स्तूप के पास स्थित एक बड़े जलाशय का भी अवलोकन किया। उन्होंने अधिकारियों को जलाशय में पर्याप्त पानी की व्यवस्था सुनिश्चित करने और उसके चारों ओर व्यापक वृक्षारोपण कराने का निर्देश दिया। उनका मानना था कि इससे क्षेत्र की प्राकृतिक सुंदरता बढ़ेगी और पर्यटकों को बेहतर वातावरण मिलेगा।

इसके अतिरिक्त, जिलाधिकारी ने पंचायत विभाग को बौद्ध स्थल और उसके आसपास नियमित साफ–सफाई बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि देश–विदेश से आने वाले बौद्ध श्रद्धालुओं और पर्यटकों को स्वच्छ एवं व्यवस्थित वातावरण मिलना चाहिए।

निरीक्षण के समय, देवदह रामग्राम बौद्ध विकास समिति के अध्यक्ष जितेंद्र राव ने जिलाधिकारी को पांच सूत्रीय मांग पत्र सौंपा। इस पत्र में देवदह के समग्र विकास, पर्यटन सुविधाओं के विस्तार, सड़क, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था, सुरक्षा और अन्य मूलभूत सुविधाओं को विकसित करने की मांग की गई। समिति ने देवदह को अंतरराष्ट्रीय बौद्ध पर्यटन मानचित्र पर स्थापित करने के लिए एक विशेष कार्ययोजना बनाने का भी अनुरोध किया।

इस अवसर पर लक्ष्मीपुर के खंड विकास अधिकारी मृत्युंजय यादव, देवदह रामग्राम बौद्ध विकास समिति के अध्यक्ष जितेंद्र राव, महेंद्र जायसवाल, लक्ष्मीचंद्र पटेल, मनोज कन्नौजिया, प्रभुदयाल वर्मा सहित कई गणमान्य व्यक्ति और स्थानीय नागरिक उपस्थित थे।

बिजली कर्मी ने बिल जमा करने के नाम पर हड़पे तीस हजार

संवाददाता—गोण्डा। बिजली विभाग के कर्मचारी ने एक उपभोक्ता से बिजली बिल जमा कराने के नाम पर तीस हजार रुपये हड़प लिए। बिल जमा न होने पर उपभोक्ता का कनेक्शन काटने की कवायद बिजली विभाग ने शुरू कर दी। इससे परेशान उपभोक्ता ने कोतवाली में तहरीर देकर कार्रवाई की गुहार लगाई है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच के बाद कार्रवाई की जाएगी। मामला कोतवाली इटियाथोक के भवानीपुर कला गांव का है। यहां के रहने वाले नवाब अली घर का बिजली बिल जमा करने के लिए उपकेंद्र इटियाथोक में आए थे। उपकेंद्र पर कार्यरत टीजीटू कर्मी सुरेंद्र चन्द्र पाल ने नवाब अली से 30 हजार की रकम ऑनलाइन ले ली।

काफी दिन बीत जाने के बाद जब उपभोक्ता को बिल मिला तो उसमें बिजली कर्मी को दी गई 30 हजार की रकम जमा नहीं दिखी। उपभोक्ता ने तत्काल बिजली कर्मी के खिलाफ आईजीआरस के माध्यम से शिकायत दर्ज करवाई। चौंकाने वाली बात यह है उपकेंद्र इटियाथोक में पूर्व में तैनात टीजीटू कर्मी सुरेंद्र चन्द्र पाल की नवीन तैनाती पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम में हो गया। पीड़ित उपभोक्ता नवाब अली बिजली विभाग के चक्कर पर चक्कर लगा रहा है।

उसका कहना है कि आईजीआरएस पर दर्ज शिकायत में अधिशासी अभियंता खण्ड चतुर्थ केवल आश्वा लगाकर बिजली कर्मी के खिलाफ कार्रवाई से बच रहे है। उपकेंद्र इटियाथोक में पूर्व में तैनात बिजली कर्मी सुरेंद्र चन्द्र पाल ने दर्जनों उपभोक्ताओं से बिजली जमा कराने के नाम पैसे हड़प लिया है।

यूट्यूबर पल्लवी पर मुकदमा, चंद्रशेखर आजाद, मुस्लिमों और यादव समाज पर की थी आपत्तिजनक टिप्पणी

संवाददाता—गोंडा। जिले में यूट्यूबर पल्लवी शुक्ला के खिलाफ दंगा भड़काने और सामाजिक सौहार्द बिगड़ना को लेकर गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। उन पर नगीना सांसद चंद्रशेखर आजाद, मुस्लिम समाज, यादव समाज और अनुसूचित जाति के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करने और गाली–गलौज करने का आरोप है।

यह मामला कौड़िया थाना क्षेत्र के बौनापुर गांव की रहने वाली पल्लवी शुक्ला से जुड़ा है। कौड़िया थाने में तैनात उप निरीक्षक शेषनाथ पांडेय ने पल्लवी शुक्ला के खिलाफ छह गंभीर धाराओं में एफआईआर दर्ज कराई है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज करने के बाद उनकी तलाश तेज कर दी है। आरोप है कि पल्लवी शुक्ला ने एक यूट्यूबर को दिए इंटरव्यू में चंद्रशेखर आजाद को जूते–चप्पलों से मारने की धमकी दी थी और अभद्र भाषा का प्रयोग किया था।वीडियो में पल्लवी शुक्ला पर मां–बहन की भद्दी गालियां देने और अनुसूचित जाति व यादव समाज के लिए आपत्तिजनक जाति सूचक शब्दों का इस्तेमाल करने का भी आरोप है। यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद भीम आर्मी संगठन, मुस्लिम समाज, अनुसूचित जाति समाज और यादव समाज के लोगों द्वारा लगातार कार्रवाई की मांग की जा रही थी।उप निरीक्षक शेषनाथ पांडेय ने अपनी शिकायत में बताया कि पल्लवी शुक्ला के बयानों से विभिन्न जातियों के बीच आपसी वैमनस्यता, घृणा और द्वेष भावना फैलाने का प्रयास किया गया है, जिससे सामाजिक उन्माद और दंगा भड़कने की आशंका है। इस पूरे मामले की जांच सीओ करनैलगंज अभिषेक को सौंपी गई है। कौड़िया थाना अध्यक्ष जितेंद्र सिंह ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और आगे की जांच जारी है। सभी समाज के लोगों को आश्वासन दिया गया की कठोर कार्रवाई की जाएगी किसी की भावनाओं को हाथ नहीं होने दिया जाएगा।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि दिनांक 23–5–26 को घर से कचेहरी अयोध्या जाते समय अपनी माता श्रीमती शकुन्तला देवी उर्फ मन्ना देवी पत्नी स्वर्गीय श्री बलराम सोनी के नाम का बैनामा क्रमांक 735, बही संख्या 1 जिल्द सं. 1481 पृष्ठ सं. 197 से 214 दिनांक 20–3–1998 कहीं गिर गया है। जो काफी ढूढा गया लेकिन आज तक नहीं मिला। इसकी सूचना पुलिस प्रशासन को दी जा चुकी है। यदि किसी व्यक्ति को उक्त बैनामा दस्तावेज मिलता है तो निम्न पते पर वापस कर दें।

(राजेश सोनी)
पुत्र– स्वर्गीय बलराम सोनी
निवासी मी0 इस्माइलगंज
साहबगंज जिला– अयोध्या।

किसानों के परिश्रम से उत्तर प्रदेश की कृषि विकास दर पहुंची 18 प्रतिशत –सीएम योगी

संवाददाता–गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 12 वर्षों में कृषि क्षेत्र में हुए व्यापक सुधारों का सकारात्मक प्रभाव किसानों के जीवन पर पड़ा है। किसानों की मेहनत और सरकार की किसान हितैषी नीतियों के कारण उत्तर प्रदेश ने पिछड़ेपन और बीमारूपन की छवि से बाहर निकलकर समृद्धि की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति की है। कृषि विकास दर को 8 प्रतिशत से बढ़ाकर 18 प्रतिशत तक पहुंचाने में किसानों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। मुख्यमंत्री बुधवार को गोरखपुर के बाबा गंभीरनाथ प्रेक्षागृह में आयोजित गोरखपुर, बस्ती और आजमगढ़ मंडलों की संयुक्त मंडलीय खरीफ उत्पादकता संगोष्ठी–2026 का शुभारंभ कर रहे थे। उन्होंने कहा कि देश की सबसे उपजाऊ भूमि और सर्वाधिक सिंचित क्षेत्र उत्तर प्रदेश में है। यहां किसान रबी, खरीफ और जायद तीनों फसलों का उत्पादन कर रहे हैं तथा उन्हें उनकी उपज का बेहतर मूल्य भी मिल रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2005 से 2014 के बीच देश के विभिन्न हिस्सों में बड़ी संख्या में किसानों ने आत्महत्या की थी। इसके पीछे गुणवत्तापूर्ण बीजों की कमी, फसलों का उचित मूल्य न मिलना, प्राकृतिक आपदाओं से सुरक्षा का अभाव तथा बढ़ती लागत जैसी समस्याएं थीं। किसान मेहनत से उत्पादन तो करता था, लेकिन उसकी फसल खरीदने की प्रभावी व्यवस्था नहीं थी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पहली बार किसानों के साथ–साथ धरती माता के स्वास्थ्य की भी चिंता की। इसी सोच के तहत मुफ्त मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना शुरू की गई। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना और प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना जैसी योजनाओं ने किसानों को नई ताकत दी। दलहन और तिलहन उत्पादन बढ़ाने के लिए भी विशेष अभियान चलाए गए, जिससे आयात पर निर्भरता कम हो सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना ने किसानों को आर्थिक संबल दिया है। इससे किसानों को साहूकारों के चंगुल में फंसने से राहत मिली। उन्होंने बताया कि वर्ष 2017 में प्रदेश सरकार की पहली कैबिनेट बैठक में किसानों के कर्ज राहत का फैसला लिया गया था। फसल ऋण योजनाओं को बढ़ावा दिया गया तथा किसानों को लागत का डेढ़ गुना मूल्य दिलाने के लिए व्यापक प्रयास किए गए। विभिन्न स्थानों पर सरकारी खरीद केंद्र स्थापित कर किसानों की उपज खरीदी गई। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रदेश में वर्षों से लंबित सिंचाई परियोजनाओं को पूरा कराया गया। बाणसागर, सरयू नहर राष्ट्रीय परियोजना और बुंदेलखंड क्षेत्र से जुड़ी कई योजनाओं के माध्यम से 24 लाख हेक्टेयर अतिरिक्त भूमि को सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराई गई। इसके अलावा निजी नलकूपों पर किसानों को मुफ्त बिजली दी जा रही है, जिसके लिए सरकार हर वर्ष लगभग 3000 करोड़ रुपये खर्च कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि क्षेत्रफल की दृष्टि से उत्तर प्रदेश देश में चौथे स्थान पर है, लेकिन खाद्यान्न, आलू, सब्जी, दूध, चीनी, एथेनॉल और चीनी उत्पादन में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा आयोजित रबी और खरीफ गोष्ठियां किसानों को नई तकनीक, उन्नत बीज और सरकारी योजनाओं की जानकारी देने के साथ उनकी समस्याओं और सुझावों को समझने का भी मंच प्रदान करती हैं।

उन्होंने किसानों के लिए संचालित मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना का उल्लेख करते हुए कहा कि किसान, बटाईदार और उनके परिवार के सदस्य भी इस योजना के दायरे में हैं। अतिवृष्टि, अनावृष्टि, लू, आकाशीय बिजली या वन्यजीव संघर्ष जैसी घटनाओं में मृत्यु होने पर प्रभावित परिवार को 24 घंटे के भीतर पांच लाख रुपये तक की सहायता उपलब्ध कराई जाती है। इस योजना पर सरकार प्रतिवर्ष लगभग एक हजार करोड़ रुपये खर्च कर रही है। मुख्यमंत्री ने बताया कि लखनऊ में पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न चौधरी चरण सिंह के नाम पर सीड पार्क और कुशीनगर में कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय का निर्माण कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कृषि विज्ञान केंद्र किसानों तक नई तकनीक और गुणवत्तापूर्ण बीजों की जानकारी पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। योगी आदित्यनाथ ने किसानों से फसलों की गुणवत्ता सुधारने, रसायनों और कीटनाशकों के सीमित उपयोग तथा प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने की अपील की। उन्होंने कहा कि यदि उत्पाद निर्यात मानकों के अनुरूप तैयार किए जाएं तो किसानों को बेहतर लाभ मिल सकता है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि जिन कृषि उत्पादों का स्थानीय बाजार में सीमित मूल्य मिलता है, वही अंतरराष्ट्रीय बाजार में कई गुना अधिक कीमत पर बिक सकते हैं। मुख्यमंत्री ने फसल विविधीकरण और सहफसली खेती को भी लाभकारी बताते हुए किसानों को इसे अपनाने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में किसान तकनीक और वैज्ञानिक पद्धतियों को अपनाकर तीन–तीन फसलें लेकर बेहतर आमदनी अर्जित कर रहे हैं। खरीफ उत्पादकता संगोष्ठी किसानों को मौसम, फसल चक्र और संभावित चुनौतियों के अनुरूप तैयारी करने की दिशा में मार्गदर्शन देगी।

कार्यक्रम में कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, सांसद रवि किशन, महापौर डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव, विधान परिषद सदस्य डॉ. धर्मेंद्र सिंह, महिला आयोग की उपाध्यक्ष चारू चौधरी तथा कृषि उत्पादन आयुक्त दीपक कुमार समेत अनेक जनप्रतिनिधि और अधिकारी उपस्थित रहे।

5 परिवारों को 25 लाख रुपये की आर्थिक सहायता

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के तहत बुधवार को तहसील समागार डुमरियागंज में पांच किसान परिवारों को आर्थिक सहायता प्रदान की गई। प्रत्येक लाभार्थी परिवार को पांच–पांच लाख रुपये के प्रतीकात्मक चेक वितरित किए गए, जिससे कुल 25 लाख रुपये की सहायता राशि दी गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता उपजिलाधिकारी विवेकानंद मिश्रा ने की। मुख्य अतिथि पूर्व विधायक राघवेंद्र प्रताप सिंह ने लाभार्थियों को चेक सौंपते हुए कहा कि प्रदेश सरकार किसानों और उनके परिवारों की सुरक्षा एवं सम्मान के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने जोर दिया कि दुर्घटना के बाद प्रभावित परिवारों को आर्थिक संबल प्रदान करना सरकार की प्राथमिकता है। उपजिलाधिकारी विवेकानंद मिश्रा ने योजना की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि किसान की मृत्यु या पूर्ण शारीरिक अक्षमता की स्थिति में पांच लाख रुपये की सहायता दी जाती है। दोनों हाथ, दोनों पैर या दोनों आंखों की क्षति होने पर भी इतनी ही राशि प्रदान की जाती है। एक हाथ और एक पैर के नुकसान पर भी पांच लाख रुपये की सहायता का प्रावधान है। एक हाथ, एक पैर या एक आंख की क्षति पर ढाई लाख रुपये तथा 25 से 50 प्रतिशत स्थायी दिव्यांगता पर 1.25 लाख रुपये की सहायता राशि मिलती है। तहसीलदार रवि कुमार यादव ने बताया कि योजना के लिए आवेदन प्रक्रिया पूरी तरह ऑनलाइन है। आवेदन प्राप्त होने के बाद राजस्व विभाग की टीम निर्धारित समय में जांच और सर्वेक्षण करती है। पात्र पाए जाने पर सहायता राशि स्वीकृत कर सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में उपलब्ध कराई जाती है। इस कार्यक्रम में पिपरा गोसाई निवासी लीलावती, टेकवा एहतमाली की मिन्ना, पिरैला सुल्तान के गोपाल, बिलवट की सारजहां और मैनहा के अज्ञाराम को पांच–पांच लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की गई। इस अवसर पर नायब तहसीलदार राघवेंद्र कुमार पाण्डेय, लवकुश ओझा, मधुसूदन अग्रहरि, महेश चंद्र, माता प्रसाद भारती, अजय पाठक, शैलेंद्र रावत, अंकित श्रीवास्तव और बब्लू पाठक सहित कई अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

सिद्धार्थनगर। आयुष्मान आरोग्य मंदिर पथरा बाजार का राष्ट्रीय गुणवत्ता टीम द्वारा वर्चुअल माध्यम से मूल्यांकन किया गया। इस दौरान राष्ट्रीय गुणवत्ता मूल्यांकन टीम की सदस्य डॉ. मधु मिता शर्मा एवं हेमंत कुमार नाथ ने आयुष्मान आरोग्य मंदिर के माध्यम से जनसमुदाय को उपलब्ध कराई जा रही स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा की। वर्चुअल बैठक के दौरान सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी (सीएचओ), एएनएम एवं आशा कार्यकर्ताओं से स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता, उपलब्धता एवं जनसामान्य तक उनकी पहुंच के संबंध में विस्तृत फीडबैक लिया गया। टीम ने स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक प्रभावी एवं जनहितकारी बनाने के लिए आवश्यक सुझाव भी दिए।

इस अवसर पर सीएचओ शक्ति सौरभ, लवली वर्मा, बुलबुल, अभिषेक त्यागी, धर्मेंद्र कुमार मीना, आशीष, श्याम नारायण, हरिओम पाण्डेय, एएनएम रुक्मिणी और संगीता, अधीक्षक धर्मेन्द्र चौधरी, बीसीपीएम राधेश्याम चक्रवर्ती, बीपीएम कुशल टंडन, ग्राम प्रधान मक्खन लाल सहित सभी आशा कार्यकर्ता उपस्थित रहीं।

राष्ट्रीय गुणवत्ता टीम ने स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए आमजन को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने पर विशेष बल दिया।

पेट्रोल–डीजल के बाद अब यूरिया की किल्लत, आम जनता और किसान दोनों परेशान

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

सिद्धार्थनगर। एक ओर पेट्रोल और डीजल की उपलब्धता को लेकर लोगों में चिंता बढ़ रही है, तो दूसरी ओर खेतों में खड़ी फसलों के लिए जरूरी यूरिया की कमी किसानों की परेशानी का कारण बनती जा रही है। खेती के इस महत्वपूर्ण समय में खाद की उपलब्धता प्रभावित होने से किसानों को लंबी कतारों में लगना पड़ रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में किसान सुबह से ही खाद केंद्रों पर पहुंच रहे हैं, लेकिन पर्याप्त मात्रा में यूरिया न मिलने से उन्हें निराश होकर लौटना पड़ रहा है। वहीं ईंधन की कमी का असर परिवहन व्यवस्था और दैनिक कार्यों पर भी दिखाई देने लगा है। इससे खेती–किसानी से जुड़े कार्यों की लागत बढ़ने की आशंका भी जताई जा रही है। किसानों का कहना है कि समय पर यूरिया नहीं मिलने से फसलों की पैदावार प्रभावित हो सकती है। दूसरी तरफ पेट्रोल–डीजल की अनिश्चित उपलब्धता के कारण कृषि कार्यों में उपयोग होने वाले ट्रैक्टर, पंपसेट और अन्य संसाधनों के संचालन में भी दिक्कतें आ रही हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि जल्द ही आपूर्ति व्यवस्था को सुचारु नहीं किया गया तो इसका असर कृषि उत्पादन के साथ–साथ आम जनजीवन पर भी पड़ सकता है। किसानों और आम नागरिकों की मांग है कि प्रशासन और संबंधित विभाग तत्काल प्रभाव से पर्याप्त मात्रा में ईंधन और यूरिया की उपलब्धता सुनिश्चित करें, ताकि लोगों को राहत मिल सके।

क्रिकेट ग्राउंड का भूमि पूजन

संवाददाता–संतकबीरनगर। शम्भूनाथ मेमोरियल हॉस्पिटल एंड नर्सिंग कॉलेज परिसर में प्रस्तावित क्रिकेट ग्राउंड के निर्माण के लिए भूमि पूजन कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस अवसर पर संस्थान के प्रबंध निदेशक (एमडी) डॉ. एनएन श्रीवास्तव, डॉ. चित्रसेन श्रीवास्तव और डॉ. सलोनी श्रीवास्तव सहित शम्भूनाथ मेमोरियल परिवार समूह के सदस्य उपस्थित रहे। वैदिक मंत्रोच्चार के साथ भूमि पूजन कर क्रिकेट ग्राउंड निर्माण की आधारशिला रखी गई। संस्थान प्रबंधन के अनुसार, यह आधुनिक सुविधाओं से लैस क्रिकेट ग्राउंड क्षेत्र के युवाओं को अपनी खेल प्रतिभा निखारने का अवसर प्रदान करेगा। इसके अतिरिक्त, विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं के आयोजन से खिलाड़ियों को अपनी क्षमता प्रदर्शित करने का मंच भी मिलेगा। एमडी डॉ. एनएन श्रीवास्तव ने कहा कि शिक्षा और स्वास्थ्य के साथ–साथ खेल गतिविधियों को बढ़ावा देना भी संस्थान की प्राथमिकताओं में से एक है। डॉ. चित्रसेन श्रीवास्तव ने बताया कि इस क्रिकेट ग्राउंड के निर्माण से जिले के खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण और अभ्यास की सुविधा मिलेगी। डॉ. सलोनी श्रीवास्तव ने जोर दिया कि खेल युवाओं के सर्वांगीण विकास का एक महत्वपूर्ण माध्यम है, और यह पहल क्षेत्र में खेल संस्कृति को नई दिशा प्रदान करेगी। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने इस पहल की सराहना की और इसे क्षेत्र के विकास तथा युवाओं के उज्ज्वल भविष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया।

रिश्वत लेते पकड़ा गया लेखपाल

संवाददाता–अयोध्या। प्रदेश सरकार की भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टॉलरेंस नीति के बीच रुदौली तहसील में तैनात एक लेखपाल को कथित रूप से रिश्वत लेते हुए एंटी करप्शन टीम द्वारा गिरफ्तार किए जाने का मामला चर्चा का विषय बना हुआ है। कार्रवाई के बाद तहसील परिसर में हड़कंप मच गया और पूरे क्षेत्र में इसकी चर्चा आम हो गई। गिरफ्तार लेखपाल की पहचान दीप चंद्र यादव के रूप में हुई है।जिसकी शिकायत भाजपा के शुजागंज मंडल मंत्री व सिठौली गांव निवासी देवीप्रसाद लोधी ने की थी।पीड़ित का आरोप है कि जमीन से संबंधित एक कार्य को लेकर वह लंबे समय से तहसील के चक्कर लगा रहे थे, लेकिन उनका कार्य नहीं किया जा रहा था। आरोप है कि कार्य कराने के बदले लगातार धनराशि की मांग की जा रही थी।कथित रिश्वत मांगने से परेशान होकर शिकायतकर्ता ने एंटी करप्शन टीम से संपर्क किया। शिकायत का सत्यापन कराने के बाद टीम ने योजनाबद्ध तरीके से कार्रवाई की। बताया जाता है कि तय योजना के तहत लेखपाल को कथित रूप से रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ पकड़ लिया गया। इसके बाद टीम ने आरोपी को हिरासत में लेकर आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी।मामले ने उस समय नया मोड़ ले लिया जब शिकायतकर्ता ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक पर अपनी सुरक्षा को लेकर चिंता जाहिर की। उन्होंने पोस्ट में दावा किया कि रौनाही थाना क्षेत्र की सूचितागंज चौकी में आरोपी लेखपाल और वह स्वयं मौजूद हैं, जबकि चौकी के बाहर आरोपी के करीबी और अन्य लोग खड़े हैं। शिकायतकर्ता ने प्रशासन से अपनी जान–माल की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग भी की है।घटना के बाद तहसील परिसर में कर्मचारियों और फरियादियों के बीच तरह–तरह की चर्चाएं होती रहीं। प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार मामले की विस्तृत जांच जारी है।जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।इस बावत एसडीएम संतोष कुमार से कई बार जानकारी करने का प्रयास किया गया,लेकिन उनका मोबाइल नही उठ सका।

निर्माणाधीन मछली मंडी का शटरिंग गिरने से एक मजदूर की मौत

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। निर्माणाधीन मछली मंडी का शटरिंग गिरने से एक मजदूर की मौत हो गई। बुधवार दोपहर मुख्य गेट का निर्माण कार्य चल रहा था, तभी अचानक शटरिंग भरभराकर गिर गई। इस दौरान सभी मिट्टी के नीचे दब गए। जिसके बाद राहगीरों ने तुरंत 5 लोगों को निकालकर सीएचसी भेज दिया। एक मजदूर का काफी देर तक पता नहीं चला। जिसके बाद प्रशासन ने जेसीबी मशीन की मदद से मलबा हटवाया। घंटों चले रेस्क्यू अभियान के दौरान मुश्ताक का शव मलबे के अंदर से बरामद हुआ। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है। मामला ढेबरुवा थाना क्षेत्र का है। तुलसीयापुर गांव में मछली मंडी के मुख्य प्रवेश द्वार का निर्माण कार्य चल रहा था। बुधवार दोपहर निर्माण के दौरान शटरिंग गिरने से एक मजदूर की मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे में कुल छह मजदूर मलबे में दब गए थे। हादसे के बाद मौके पर अफरा–तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने तत्काल राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। मलबे में दबे पांच मजदूरों को बाहर निकालकर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बढ़नी पहुंचाया गया। चिकित्सकों ने बुधई और रविंद्र की गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। अन्य घायलों का उपचार किया गया। हादसे के बाद मजदूर मुश्ताक का कोई पता नहीं चल रहा था। काफी देर तक खोजबीन के बाद प्रशासन ने जेसीबी मशीन की मदद से मलबा हटवाया। घंटों चले रेस्क्यू अभियान के दौरान मुश्ताक का शव मलबे के अंदर से बरामद हुआ। शव मिलते ही परिजनों में शोक छा गया। घटना की सूचना मिलते ही ढेबरुवा पुलिस मौके पर पहुंची। शोहरतगढ़ तहसील के तहसीलदार ने भी घटनास्थल का निरीक्षण कर राहत एवं बचाव कार्य का जायजा लिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि तुलसीयापुर में मछली मंडी परियोजना के तहत 16 दुकानों का निर्माण, सड़क निर्माण, नाला निर्माण, मिट्टी भराई तथा इंटरलॉकिंग कार्य कराया जा रहा है। तुलसीयापुर में करीब 5 करोड़ 56 लाख रुपये की लागत से मछली मंडी का निर्माण कराया जा रहा है। मुख्य गेट के निर्माण के दौरान हुए इस हादसे ने निर्माण कार्यों में सुरक्षा मानकों के पालन पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

अदालती नोटिस

वाद के निपटारे के लिये सम्मन
(आदेश 5 के नियम 1 और 5 व्या0प्र0 संहिता 1908)
मूलवाद संख्या 20 / 2026
न्यायालय– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) नौगढ़ जिला– सिद्धार्थनगर
श्रीमती इन्दू पाण्डेय
बनाम
शिवम आदि

1. शिवम 2. सत्यम पुत्रगण दिनेश पाण्डेय 3. जनार्दन पाण्डेय पुत्र तमेश्वर पाण्डेय समस्त निवासीगण ग्राम खारिका पाण्डेय तप्पा असनार परगना बांसी पूरब पोस्ट बांसी तहसील बांसी जिला सिद्धार्थनगर

तारीख पेशी 03–08–2026

प्रतिवादी सदन प्रसाद आदि ने आपके विरुद्ध बैनामा मनसूखी के लिये वाद संस्थित किया है। आपको इस न्यायालय में दिनांक 03–08–2026 को दिन में 10 बजे वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिये समन किया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे अधिवक्ता प्लीडर द्वारा उप संजात हो सकते हैं। जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हों और जो बात से सम्बंधित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सकें न्यायालय में आपके उप संजात के लिये जो दिन नियत किया गया है वह इस वाद के अन्तिम निपटारे के लिये नियत दिन है। इसलिये आपको उस दिन अपने उन सब साक्षियों को या उन सब दस्तावेजों को पेश करने के लिये तैयार रहना चाहिये जिन पर आप अपनी प्रतिरक्षा के लिये निर्भर रहना चाहते हैं। आपको सूचित किया जाता है कि यदि अगर ऊपर बतायी गयी तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। यह आज तारीख 30.05.2026 को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।

न्यायाधीश

अदालती नोटिस

वाद के निपटारे के लिये सम्मन
(आदेश 5 के नियम 1 और 5 व्या0प्र0 संहिता 1908)
मूलवाद संख्या 15 / 2026
न्यायालय– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) सिद्धार्थनगर जिला– सिद्धार्थनगर
श्रीमती मालती देवी
बनाम
श्रीमती कोईली देवी आदि

1. श्रीमती कोईली देवी उम्र 64 वर्ष पत्नी स्व0 मनीराम साकिन मौजा चोरई तप्पा नगवा परगना व तहसील नौगढ़ जिला–सिद्धार्थनगर 2. अरमान वालिग पुत्र अहमद रजा साकिन आजाद नगर पालिका परिषद सिद्धार्थनगर नगर तप्पा थरौली परगना व तहसील नौगढ़ जिला–सिद्धार्थनगर

तारीख पेशी 04–07–2026

प्रतिवादी सदन प्रसाद आदि ने आपके विरुद्ध बैनामा मनसूखी के लिये वाद संस्थित किया है। आपको इस न्यायालय में दिनांक 04–07–2026 को दिन में 10 बजे वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिये समन किया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे अधिवक्ता प्लीडर द्वारा उप संजात हो सकते हैं। जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हों और जो बात से सम्बंधित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सकें न्यायालय में आपके उप संजात के लिये जो दिन नियत किया गया है वह इस वाद के अन्तिम निपटारे के लिये नियत दिन है। इसलिये आपको उस दिन अपने उन सब साक्षियों को या उन सब दस्तावेजों को पेश करने के लिये तैयार रहना चाहिये जिन पर आप अपनी प्रतिरक्षा के लिये निर्भर रहना चाहते हैं। आपको सूचित किया जाता है कि यदि अगर ऊपर बतायी गयी तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। यह आज तारीख को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है। – न्यायाधीश

अदालती नोटिस

वाद के निपटारे के लिये सम्मन
(आदेश 5 के नियम 1 और 5 व्या0प्र0 संहिता 1908)
मूलवाद संख्या 199 / 2024
न्यायालय– श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) सिद्धार्थनगर जिला– सिद्धार्थनगर
अ0 गनी आदि
बनाम
विनोद कुमार आदि

2. आशीष अस्थाना उम्र लगभग 40 वर्ष पुत्र ज्ञानेन्द्रनाथ अस्थाना साकिन तुरकहिया पोस्ट गांधीनगर तप्पा देवरांव परगना बस्ती पूरब तहसील सदर जिला बस्ती
–प्रतिवादीगण प्रथम पक्ष

तारीख पेशी 30–07–2026

प्रतिवादी सदन प्रसाद आदि ने आपके विरुद्ध बैनामा मनसूखी के लिये वाद संस्थित किया है। आपको इस न्यायालय में दिनांक 30–07–2026 को दिन में 10 बजे वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिये समन किया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे अधिवक्ता प्लीडर द्वारा उप संजात हो सकते हैं। जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हों और जो बात से सम्बंधित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सकें न्यायालय में आपके उप संजात के लिये जो दिन नियत किया गया है वह इस वाद के अन्तिम निपटारे के लिये नियत दिन है। इसलिये आपको उस दिन अपने उन सब साक्षियों को या उन सब दस्तावेजों को पेश करने के लिये तैयार रहना चाहिये जिन पर आप अपनी प्रतिरक्षा के लिये निर्भर रहना चाहते हैं। आपको सूचित किया जाता है कि यदि अगर ऊपर बतायी गयी तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। यह आज तारीख 30.05.2026 को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।

न्यायाधीश

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील
निगरानी सं0–C 202417000000129
अदालत– श्रीमान अपर आयुक्त (प्रशासन) बस्ती मण्डल महोदय बस्ती जिला–बस्ती
अरविन्द नरायन आदि
बनाम
राघवेन्द्र प्रसाद आदि

1. राघवेन्द्र प्रसाद पुत्र दुर्गा प्रसाद ग्राम मझौवालाल सिंह तप्पा छपिया परगना रसूलपुर तहसील भानपुर जिला बस्ती 2. दुमलती पुत्री रामबरोसे पुत्र लालू ग्राम विकास समिति विशुनपुरा वार्ड नं0–5 ग्राम एकला जिला रूपनदेही नेपाल कथित निवासी ग्राम भुजौली तप्पा मातिनपार परगना विनायकपुर तहसील नौगढ़ जिला सिद्धार्थनगर कथित हाल मुकाम मझौवालाल सिंह तप्पा छपिया परगना रसूलपुर तहसील भानपुर जिला बस्ती

तारीख पेशी 10–06–2026

अपील बनराजी के अदालत मुकाम बस्ती
मयरिखा महीना सन् 20 ई0 रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिग्री इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 10 महीना 06 सन 2026 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है। अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख 07 माह 05 सन 2026 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील
अपील सं0–C 202417000000540
अदालत– श्रीमान अपर आयुक्त (प्रशासन) बस्ती मण्डल महोदय बस्ती जिला–बस्ती
जिलाजीत
बनाम
करूणेश आदि

1. करूणेश 2. राजकुमार 3. अजय कुमार 4. विजय कुमार पुत्रगण जुगुल साकिनान मौजा करायन तप्पा छपिया परगना रसूलपुर तहसील डुमरियागंज जिला–सिद्धार्थनगर
–उत्तरवादी प्रथम वर्ग

5. राजपाल 6. विजयपाल पुत्रगण राममिलन 7. ग्रीशचन्द्र पुत्र रामशंकर 8. सुबाष चन्द्र 9. रघुवर 10. ध्रुवचन्द्र 11. रामचन्दर पुत्रगण रंगीलाल 12. श्रीमती सोमना पत्नी रंगीलाल 13. हरीराम पुत्र कामता साकिनान मौजा कोडरा तप्पा रूधौली परगना मगहर पश्चिम तहसील रूधौली जिला बस्ती
–उत्तरवादी द्वितीय वर्ग

14. ग्रामसभा डड़वा भइया द्वारा प्रधान निवासी डड़वा भईया तप्पा रूधौली परगना मगहर पश्चिम तहसील रूधौली जिला बस्ती 15. सरकार उ0प्र0 द्वारा जिलाधिकारी बस्ती
–उत्तरवादी तृतीय वर्ग

तारीख पेशी 09–06–2026

अपील बनराजी के अदालत मुकाम बस्ती
मयरिखा महीना सन् 20 ई0 रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिग्री इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 09 महीना 06 सन 2026 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है। अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख 07 माह 05 सन 2026 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
वाद सं0–T202617140201546
धारा 116 उ0प्र0रा0सं0–2006
अदालत– श्रीमान उप जिलाधिकारी महोदय न्यायिक भानपुर जिला बस्ती
जहीर मोहम्मद
बनाम
इजहार आदि

1. जहीर मोहम्मद पुत्र करमुल्लाह साकिन तेन्दुहना तप्पा भानपुर परगना रसूलपुर तहसील भानपुर जिला बस्ती

तारीख पेशी 05–06–2026

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 05 माह 06 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाव दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाव ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपको हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हो पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसब्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

संख्याक 6
मृतक प्रतिवादी के विधिक प्रतिनिधि को समन (आदेश 22 का नियम 4)
मूलवाद सं0 547 / 96
न्यायालय– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) नौगढ़ सिद्धार्थनगर
शोहरत
बनाम
सिद्दीक आदि

2/1 राजू उम्र लगभग 40 वर्ष पुत्र स्व0 हरीराम निवासी ग्राम बर्डपुर नं0–10 टोला रामनगर तप्पा घोष परगना व तहसील नौगढ़ जनपद सिद्धार्थनगर 2/2 संजीव उम्र लगभग 38 वर्ष पुत्र स्व0 हरीराम निवासी ग्राम बर्डपुर नं0–10 टोला रामनगर तप्पा घोष परगना व तहसील नौगढ़ जनपद सिद्धार्थनगर

तारीख पेशी 02–07–2026

वादी / वादीगण ने इस न्यायालय में दिनांक को प्रतिवादी के विरूद्ध वाद संस्थित किया था। प्रतिवादी की अब मृत्यु हो चुकी है और उक्त वादी ने यह अभिकथन करते हुये इस न्यायालय में आवेदन किया है कि आप उक्त मृतक के विधिक प्रतिनिधि हैं और यह इच्छा प्रकट की है कि आपको उसके बदले में प्रतिवादी बनाया जाए।

आपको सम्मन किया जाता है कि आप उक्त वाद में प्रतिरक्षा करने के लिये दिनांक 02–07–2026 को 10:00 बजे पूर्वान्ह इस न्यायालय में हाजिर हों और यदि आप ऊपर बतायी गयी तारीख को उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका अवधारण आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।

न्यायाधीश

दैनिक भारतीय बस्ती

संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**

अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय– चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय– आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच, कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय– इलाहीबाग गोरखपुर।
मो0 9336715406, 8400925463
ई.मेल bhartiyabasti@gmail.com
dainikbhartiyabasti@gmail.com